संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 10
पृष्ठ 8
गुरूवार
25 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डेंगू में ये दवाइयां लेना खतरनाक...
विचार- भागीदारी का मूल्य समझ सम्मान...
खेल- हारिस-फरहान की करतूतों पर...

जीएसटी रिफॉर्म से यूपी के ग्राहकों को सबसे अधिक लाभ : योगी

● योगी ने राजधानी में व्यापारियों को दिए जीएसटी के पर्चे, फायदा बताने हजरतगंज मार्केट पहुंचे

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा जीएसटी रेट्स से आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों को बड़ा लाभ मिल रहा है। बाजार की मजबूती और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। जीएसटी रिफॉर्म का सबसे अधिक लाभ यूपी के व्यापारियों और ग्राहकों को होगा। मुख्यमंत्री ने बताया विद्यार्थियों के लिए नोटबुक, पेंसिल और अन्य शैक्षणिक सामग्री पर जीएसटी शून्य कर दिया गया है। इसी तरह ज्यादातर घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्रियों को जीरो या 5 प्रतिशत के दायरे में लाया गया है। उन्होंने कहा जीवन रक्षक 33 प्रकार की दवाओं को भी पूरी तरह से जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। बाजार में खपत बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि हुई है। त्योहारों के सीजन में यह बड़ा कदम उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है। इस रिफॉर्म से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद यूपी में 49 हजार करोड़ से बढ़कर 1.15 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है। पीसी से पहले मुख्यमंत्री ने लखनऊ की सबसे बड़ी मार्केट हजरतगंज पहुंचे। यहां उन्होंने व्यापारियों और उपभोक्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी रिफॉर्म से संबंधित पंपलेट और बैनर वितरित किए। व्यापारियों को फूल भी दिए। सीएम ने दुकानदारों और ग्राहकों से संवाद भी किया। व्यापारियों और उपभोक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री के प्रति आभार जताया। सीएम योगी ने कहा यह रिफॉर्म भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक थे। देश को महंगाई से राहत देने की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है। इस रिफॉर्म से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद देश का कलेक्शन 7 लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुंचा है, जबकि यूपी में यह 49 हजार करोड़ से बढ़कर 1.15 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है। सीएम योगी ने हजरतगंज स्थित मोती महल रेस्टोरेंट के सामने से गुजरते हुए जीएसटी का पर्चा दिखाया। इस दौरान व्यवसायियों के अभिवादन का हाथ उठाकर जवाब दिया।

अपने अधिकारों के लिए विकासशील देशों के समक्ष बड़ी चुनौतियां : जयशंकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने दुनिया भर में बढ़ती अनिश्चितता की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस स्थिति में विकासशील देशोंको विशेष रूप से अपने अधिकारों और अपेक्षाओं को पूरा करने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। डा जयशंकर ने बहुपक्षवाद की अवधारणा को खतरे में बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संगठन अप्रभावी हो रहे हैं या संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं और समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएँ बिखरने लगी हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओंमें अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी का परिणाम सबके सामने है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में हिस्सा लेने न्यूयार्क गये डा सिंह ने मंगलवार को समान विचारधारा वाले ग्लोबल साउथ देशों की उच्च स्तरीय बैठक में भारत का दृष्टिकोण रखा। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि डा सिंह ने मौजूदा वैश्विक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, हम तेज़ी से बढ़ते अनिश्चित समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया की स्थिति सदस्य देशों के लिए बढ़ती चिंता का विषय है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिणी देश कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं जो इस दशक के पूर्वार्ध में और बढ़ गयी हैं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी , यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्ष, चरम जलवायु घटनाएँ, व्यापार में अस्थिरता, निवेश प्रवाह , ब्याज दरों में अनिश्चितता, और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के एजेंडे की धीमी गति बड़ी चुनौती हैं।

उन्हें मिले उपहारों की ई नीलामी में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें देशवासी : मोदी

नयी दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री के तौर पर उन्हें विभिन्न सार्वजनिक समारोहों के दौरान मिले स्मृति चिन्हों की ई–नीलामी में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लें क्योंकि इस नीलामी से मिलने वाली राशि गंगा के पुनरुद्धार से संबंधित नमामि गंगे मिशन में दी जायेगी। राष्ट्रीय गांधी आधुनिक कला संग्रहालय में सांस्कृतिक धरोहरों, खेल स्मृति चिन्हों, हस्तशिल्प और धार्मिक कलाकृतियों सहित 1,300 से अधिक अनोखे उपहार और कलाकृतियां बोली के लिए प्रदर्शित की गयी हैं। यह ई–नीलामी देश–विदेश के नागरिकों को नमामि गंगे परियोजना में प्रत्यक्ष योगदान करने का अवसर प्रदान करती है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, पिछले कुछ दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान मुझे मिले विभिन्न उपहारों की ऑनलाइन नीलामी चल रही है। इस नीलामी में बहुत ही रोचक कृतियां शामिल हैं जो भारत की संस्कृति और रचनात्मकता को दर्शाती हैं। नीलामी से प्राप्त राशि नमामि गंगे मिशन में जाएगी। नीलामी में अवश्य भाग लें।

प्रियंका की उत्तराखंड में पेपर लीक पर तीखी प्रतिक्रिया

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तराखंड में पेपर लीक की घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए हैरानी जताई कि बच्चे 15 –15 घंटे तैयारी परीक्षा दे रहे हैं और सरकार में बैठे लोग 15 लाख रुपये लेकर पर्चे लीक करवा रहे है। श्रीमती वाड्रा ने एक अभ्यर्थी की पीड़ा को उधदृत करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा "हम लाइब्रेरी में 15–15 घंटे पढ़ रहे हैं, ये 15–15 लाख में पेपर बेच रहे हैं" उन्होंने कहा कि यहां सवाल सिर्फ एक उम्मीदवार की पीड़ा का नहीं, उत्तराखंड समेत देश के ज्यादातर युवाओं का यही दर्द है। आज बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या है, क्योंकि उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत जहां भी भाजपा सरकार में है, वहां बड़े पैमाने पर पेपर लीक करवाये जा रहे हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि परीक्षाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार युवाओं का जीवन बर्बाद कर रहा है और प्रधानमंत्री जी मूकदर्शक बने हुए हैं। गौरतलब है कि हाल में ही उत्तराखंड में कनिष्ठ पदों के लिए भर्ती की एक परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद सरकारी बाबू का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें नौकरी देने के लिए वह 15 लाख रुपए की मांग कर रहा है।

ताइवान में तूफ़ान से 14 लोगों की मौत, 18 घायल

ताइपे, एजेंसी। ताइवान में तूफान रागासा के कारण बुधवार सुबह छह बजे तक 14 लोगों की मौत हो गई और 18 घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। द्वीप के आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, तूफान रागासा के कारण लगभग 100 लोग अभी भी फंसे हुए हैं और बचाव का इंतजार कर रहे हैं। तूफ़ान का बाहरी चक्र ताइवान के पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी तटीय क्षेत्रों में लगातार तबाही मचा रहा है, जिससे भारी बारिश हो रही है। मंगलवार दोपहर में हुआलिएन काउंटी में एक अवरोधक झील पर बना बांध ओवरफ्लो हो गया जिससे वहां बाढ़ आ गई।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी वाला वीडियो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

अमेठी, एजेंसी। अमेठी जिले के शुकुल बाजार क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर कथित अमर्यादित टिप्पणी वाला वीडियो सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि 23 सितंबर की शाम सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कथित तौर पर अपशब्द कहे गये हैं।

रेलवे के 10 लाख कर्मियों को दिवाली बोनस

बिहार के लिए 6 हजार करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

कैबिनेट से ₹94916 करोड़ की छह परियोजनाओं को मंजूरी

रेलवे: बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया दोहरीकरण	2,192
राजमार्ग: साहेबगंज–बेतिया खंड (NH-139W) का फोर लेन निर्माण	3,822
रेलवे उत्पादकता से जुड़ा बोनस	1,866
जहाज निर्माण और समुद्री विकास सुधार	69,725
सीएसआईआर योजना: क्षमता निर्माण एवं मानव संसाधन विकास	2,277
चिकित्सकीय शिक्षा का विस्तार	15,034
कुल	94,916

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपये के उत्पादकता–आधारित बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दे दी है। इससे 10.90 लाख कर्मचारियों को दिवाली से पहले उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए लाभ मिलेगा। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर–राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,192 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के लिए लगभग छह हजार करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह बोनस उनके 78 दिनों के वेतन के बराबर है। हर साल दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान किया जाता है। पिछले साल मोदी सरकार ने रेल कर्मचारियों के लिए 2,029 करोड़ रुपये के बोनस को मंजूरी दी थी। इससे 11,72,240 कर्मचारियों को लाभ हुआ था। एक पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिनों के लिए अधिकतम देय राशि 17,951 रुपये है। यह राशि कई प्रकार के रेल कर्मचारियों को दी जाएगी। इनमें ट्रैक मेंटेनर, लोकोमोटिव पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप श्सीश कर्मचारी शामिल हैं। सरकार ने कहा, ष्वर्ष 2024–25 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढुलाई की और लगभग 7.3 बिलियन यात्रियों को ढोया।ष वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने नेशनल शिप बिल्डिंग मिशन को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत के जहाज निर्माण और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को भी मंजूरी दी। यह मिशन घरेलू क्षमता को मजबूत करने, दीर्घकालिक वित्तपोषण में सुधार करने, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड शिपयार्ड विकास को बढ़ावा देने, तकनीकी क्षमताओं और कौशल को बढ़ाने तथा मजबूत समुद्री बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कानूनी, कराधान और नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए बनाया गया है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए यह बात कही। इस पैकेज के तहत, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) को 24,736 करोड़ रुपये की कुल राशि के साथ 31 मार्च 2036 तक बढ़ाया जाएगा।

उच्च न्यायालय ने क्लैट-पीजी अंकों के आधार पर वकीलों की भर्ती से जुड़ी एनएचएआई की अधिसूचना रद्द की

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया, जिसमें वकीलों की भर्ती के लिए क्लैट–पीजी के अंकों को आधार बनाया गया था। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने एनएचएआई की 11 अगस्त की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार कर लिया। पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा, "रिट याचिका स्वीकार की जाती है। परिणामस्वरूप, अधिसूचना में दिए गए भर्ती मानदंड रद्द किए जाते हैं।" अदालत का यह फैसला एनएचएआई की उस अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है जिसमें वकीलों की भर्ती के लिए क्लैट–पीजी के अंकों को आधार बनाया गया था। उच्च न्यायालय ने 18 सितंबर को अधिसूचना पर रोक लगाते हुए कहा था कि इस प्रक्रिया के पीछे कोई तर्क नहीं है। वकील शन्नू बहगेल द्वारा दायर याचिका के अनुसार, साझा विधि प्रवेश परीक्षा2022 (स्नातकोत्तर) (क्लैट–पीजी) में किसी उम्मीदवार के किसी भी अंक को सार्वजनिक रोजगार का आधार नहीं बनाया जा सकता है, क्योंकि यह केवल कानून में मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए एलएलबी डिग्री रखने वाले संबंधित उम्मीदवारों की योग्यता का आकलन करने के लिए आयोजित किया जाता है। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि 11 अगस्त की अधिसूचना के अनुसार चयन का उद्देश्य कानून में मास्टर डिग्री हासिल करना नहीं है, बल्कि कानूनी पेशेवर की सेवाएं प्रदान करना है। वहीं, एनएचएआई के वकील ने कहा कि प्राधिकरण अंकों का परीक्षण करके उम्मीदवार की कानूनी समझ का परीक्षण कर रहा था। वकील ने कहा था कि हालांकि चयन क्लैट अंकों के आधार पर किया गया था, लेकिन प्राधिकरण ने अनुभव को भी प्राथमिकता दी थी।

सवाल: कागज महंगा हुआ तो कैसे सस्ती होगी कॉपी

प्रयागराज। शिक्षा को बढ़ावा देने और मध्यम वर्गीय परिवार को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने जीएसटी 2.0 में कॉपी पर टैक्स शून्य कर दिया है। यानी कॉपी पर अब टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन दूसरी ओर कागज पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दी गई है। इससे कागज व्यापारियों और कॉपी निर्माताओं के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है। उनका कहना है कि जब कच्चा माल यानी कागज महंगे दाम पर मिलेगा, तो भले ही कॉपी टैक्स फ्री हो, लेकिन उसकी कीमत कम होने के बजाय बढ़ जाएगी। प्रयाग कागज कॉपी व्यवसायी कल्याण समिति ने इस पर नाराजगी जताते हुए प्रधानमंत्री से गुहार लगाई है।

समिति का कहना है कि कॉपी को शून्य प्रतिशत जीएसटी स्लैब में रखने के बावजूद कागज महंगा करने से शिक्षा सामग्री की लागत स्वतः बढ़ जाएगी। इससे नोटबुक, किताबें और उत्तर पुस्तिकाएं लगभग छह प्रतिशत तक महंगी हो जाएंगी। समिति के संयोजक संतोष पनामा ने बताया कि 22 सितंबर से लागू नए नियम में कागज का एचएसएन कोड (4802) एक ही होते हुए भी दो अलग–अलग दरों पर टैक्स निर्धारित कर दिया गया है। अनकोटेड पेपर पर 18 प्रतिशत जीएसटी है, जबकि उसी कागज से बनी कॉपी और नोटबुक पर शून्य प्रतिशत। ऐसे में कॉपी निर्माताओं को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) रिवर्स करना होगा और अन्य सामग्री पर भी इनपुट क्लेम नहीं मिल पाएगा। इससे कुटीर एवं लघु उद्योग पर गहरा असर पड़ेगा। व्यापारियों का कहना है कि बड़े उद्योगपति सीधे मिल से कागज खरीदकर शून्य प्रतिशत जीएसटी का फायदा उठा सकते हैं, लेकिन छोटे व्यापारी और कुटीर उद्योग इससे वंचित रहेंगे। उन्हें ट्रेडर्स से ही कागज खरीदना पड़ता है, जो अब 18 प्रतिशत जीएसटी पर मिलेगा। ऐसे में उनकी लागत बढ़ जाएगी और छोटे स्तर पर कॉपी बनाने वाले उद्योग बंद होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। व्यापारियों ने अपना दर्द बयां किया। बताया कि कागज का व्यापार करने वाले छोटे लघु उद्योग के तहत काम करते हैं। उनके पास इतना पैसा नहीं होता कि वे सीधे मिल से पेपर खरीद सके। कॉपी का काम करने वाले व्यापारी ट्रेडर्स से कागज लेते हैं। अब ट्रेडर्स को शून्य प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत जीएसटी पर कागज मिलेगा तो, वे उसी जीएसटी दर पर माल बेचेंगे। फिर कॉपी तैयार होने के बाद अगर जीएसटी शून्य प्रतिशत पर देना होगा तो दाम स्वतरू बढ़ जाएंगे। ऐसे में सिर्फ उद्योगपतियों को फायदा है। छोटे और कुटिर उद्योग वाले व्यापारी खत्म हो जाएंगे। क्योंकि वे सस्ता कॉपी नहीं बेच पाएंगे। कागज–कॉपी कारोबारी बोले एचएसएन कोड 4802 पर दो अलग–अलग दरें लागू कर दी गई हैं। इससे कागज व्यापारियों के लिए विकट स्थिति हो गई है। कागज लेने के बाद व्यापारियों को यह बताना मुश्किल होगा कि उसका इस्तेमाल कहां और कैसे किया। संतोष पनामा, संयोजक प्रयाग कागज कॉपी व्यासायी कल्याण समिति – ट्रेडर्स 18 प्रतिशत जीएसटी पर कागज खरीदेंगे और कॉपी बनाने वालों को शून्य प्रतिशत पर देना होगा, यह संभव नहीं है। राजकुमार महेश्वरी, अध्यक्ष – छोटे व्यापारी हर बार मिल से खरीदारी नहीं कर सकते। 18 प्रतिशत पर कागज खरीदने के बाद कॉपी सस्ती कैसे बिकेगी? सरकार को इस पर विचार करना होगा। संजीव बजाज, महामंत्री – सरकार कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन दे रही है, लेकिन यह निर्णय छोटे उद्योगों को बर्बाद कर देगा। छोटे व्यापारी सीधे मिल से माल नहीं खरीद पाएंगे।–राकेश बिंदल, उपाध्यक्ष – हम ट्रेडर्स से कागज खरीदते हैं। अगर हमें 18 प्रतिशत जीएसटी चुकानी पड़ी तो शून्य प्रतिशत पर कॉपी बेचना नामुमकिन होगा। इस तरह से तो ट्रेडर्स बर्बाद हो जाएगा। नीरज केसरवानी – कागज के एक ही कोड पर दो दरें लागू कर दी गई हैं। छोटे व्यापारियों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या है। इसके कारण अभी व्यापारी असमंजस की स्थिति में है।–कैलाश बिहारी अग्रवाल – जब कॉपी का कच्चा माल ही महंगा होगा, तो कॉपी भी महंगी बिकेगी। सरकार को इसे लेकर सोचना होगा। इस नियम से सिर्फ उद्योगपतियों को ही फायदा होगा।–संचित अग्रवाल – यह फैसला केवल बड़ी कंपनियों को फायदा पहुंचाएगा, छोटे कुटीर उद्योग खत्म हो जाएंगे। उनके पास ऐसा कोई साधन नहीं है कि मिल से सीधे माल मंगाकर कॉपी बनाएं।–संदीप महेश्वरी

5.34 लाख प्रशिक्षु देंगे डीएलएड की सेमेस्टर परीक्षा

प्रयागराज। डीएलएड के विभिन्न बैच की प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा 27 अक्टूबर से एक नवंबर तक कराई जाएगी। इसमें प्रथम सेमेस्टर के 345531 और तृतीय सेमेस्टर के 188706 कुल 5,34,237 प्रशिक्षु शामिल होंगे। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्राचार्यों और जिला विद्यालय निरीक्षकों को जनपदवार प्रशिक्षणरत अभ्यर्थियों की सूची भेजते हुए परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण के निर्देश दिए हैं। परीक्षा केन्द्र जिला मुख्यालय पर बनाने को कहा गया है ताकि अभ्यर्थियों को पहुंचने में असुविधा न हो। परीक्षा केन्द्र उन्हीं विद्यालयों को बनाया जाएगा जहां सीसीटीवी कैमरों की समुचित व्यवस्था हो ताकि परीक्षा की निगरानी की जा सकें। साथ ही साथ प्रश्नपत्र खोलने तथा परीक्षा अवधि में कमरों की वीडियों रिकार्डिंग सुरक्षित रखने की भी पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। निर्धारित केन्द्र के परिसर में डीएलएड संस्थान संचालित नहीं होना चाहिए। वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र नहीं बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

29334 शिक्षक भर्ती में नियुक्ति पत्र का मांगा ब्योरा

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में गणित और विज्ञान विषय के 29334 सहायक अध्यापकों की भर्ती के लिए

बीएसए देवब्रत सिंह ने नियुक्ति पत्र का ब्योरा मांगा है। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने 22 सितंबर के पत्र में निर्धारित प्रारूप पर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गणित वर्ग में चयनित 37 और विज्ञान वर्ग में चयनित 33 शिक्षकों के नियुक्ति पत्र की प्रति उपलब्ध कराएं।

सफाईकर्मियों को दशहरा से पहले मिलेगी पगार

प्रयागराज। नगर निगम के सफाईकर्मियों को दशरहा से पहले पगार मिलेगी। सफाईकर्मियों को सितंबर के पगार दशहरा के पहले देने के सिलसिले में मंगलवार शाम नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में स्थाई, संविदा और आउटसोर्स सफाईकर्मियों को पगार देने का निर्णय लिया गया। अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने बताया कि नगर निगम के सभी कर्मचारियों को हर महीने के पहले सप्ताह में वेतन मिल जाता है। पर्व के मद्देनजर सफाईकर्मियों को पगार देने के लिए सभी वार्ड और जोन कार्यालयों से उनकी सितंबर में उपस्थिति का ब्योरा देने का निर्देश दिया गया है।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

प्रयागराज। शहर के मीरगंज में प्रतापगढ़ के युवक की मंगलवार की रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, प्रतापगढ़ के मैढ़ी निवासी 46 वर्षीय अनिल कुमार मंगलवार की शाम प्रयागराज के मीरगंज स्थित एक मकान में गया था। जहां अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। महिला ने डायल 112 पर फोन कर सूचना दी। पुलिस ने पहुंचकर अनिल कुमार को बेहोशी की हालात में एसआरएन अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका है। थाना प्रभारी संजय राय ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां काली का रौद्र दर्शन करने उमड़ी भीड़

प्रयागराज। श्री दारागंज रामलीला कमेटी की ओर से मंगलवार की देर रात छह दिवसीय मां काली का रौद्र प्रदर्शन शुरू हुआ। मेयर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, कमेटी के

अध्यक्ष कुल्लू यादव, जितेंद्र गौड़, राजेश निषाद, तीर्थराज पांडेय ने पहले दिन मां काली की भूमिका निभाने वाले राज पांडेय की आरती की। राम मंदिर से मां काली एक हाथ में खप्पर व दूसरे में भुजाली लेकर रौद्र नृत्य करते हुए निकलती हैं। जो डॉ. प्रभात शास्त्री मार्ग कच्ची सड़क होते हुए नागवासुकि मंदिर तक प्रदर्शन करते हुए जाती हैं। रास्ते में जगह–जगह पुष्प वर्षा से मां काली का स्वागत कर उनका जयकारा लगाया जाता रहा।

सराफा बाजार में लौटने लगी रौनक

प्रयागराज। सोने की ऊंची कीमत का असर सराफा बाजार पर सीधे पड़ा। पितृपक्ष के दौरान सराफा बाजार में मंदी थी लेकिन नवरात्र शुरू होते ही रौनक लौटने लगी है। हालांकि, प्रयागराज के सराफा बाजार में अब तक वैसी रौनक नहीं दिखी जिसकी उम्मीद थी। व्यापारियों का कहना है कि सोने के दाम आसमान छू रहे हैं, यही कारण है कि इस बार बाजार में 22 कैरेट सोने के गहनों की जगह 18 कैरेट की मांग ज्यादा है। वहीं भारी की जगह लोग हल्के ज्वेलरी सेट लोग पसंद कर रहे हैं। वहीं दुकानदारों का कहना है कि अभी हर साल की तरह तो कारोबार नहीं है। फिलहाल सराफा बाजार में हलचल है और व्यापारी आशान्वित हैं कि जैसे–जैसे त्योहारी सीजन आगे बढ़ेगा वैसे–वैसे बाजार में ग्राहकों की भीड़ लौट आएगी। व्यापारी खुश हैं कि अब लोग शादी विवाह की तैयारियों में जुट गए हैं। गहने की बुकिंग शुरू कर दी है। सोने के दाम में ठहराव आने पर खरीदारी बढ़ेगी।

राज्य कर की डिप्टी कमिश्नर पर योगी सरकार ने लिया ऐक्शन, श्रद्धा कुमारी को किया सस्पेंड

प्रयागराज। योगी सरकार ने राज्य कर की डिप्टी कमिश्नर के खिलाफ कार्रवाई की है। बरेली की फर्म को गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ पहुंचाने पर बरेली में तैनात तत्कालीन सहायक आयुक्त राज्य कर श्रद्धा कुमारी को निलंबित कर दिया गया है। राज्य कर विभाग के विशेष सचिव श्याम प्रकाश नारायण ने मंगलवार को आदेश जारी किया। श्रद्धा मौजूदा समय में प्रयागराज में उपायुक्त के पद पर तैनात हैं। श्रद्धा कुमारी पर आरोप है कि बरेली में रजिस्टर्ड फर्म कन्हैया इंटरप्राइजेज के डीम्ड अप्रूवल होने के बाद फील्ड विजिट रिपोर्ट में फर्म का रजिस्ट्रेशन कैंसिल किए जाने की सिफारिश के बाद भी रजिस्ट्रेशन रद्द नहीं किया। जिसकी वजह से फर्म ने 1.78 करोड़ रुपये के टैक्स को

आईटीसी से सेटऑफ कर दिया। जिससे विभाग को राजस्व का नुकसान हुआ है।

यूपी में इससे पहले सरकार को क्षति पहुंचाने के आरोप में दो राज्य कर अधिकारियों रायबरेली में सहायक आयुक्त रितेश कुमार बरनवाल, उपायुक्त मनीष कुमार को सस्पेंड कर दिया गया। आरोपों की जांच अपर आयुक्त कानपुर सेमुअल पाल एक महीने में करेंगे और रिपोर्ट देंगे। निलंबन अवधि में मनीष कुमार और रितेश बरनवाल संयुक्त आयुक्त राज्य कर कार्यालय, बांदा से सम्बद्ध किया गया। इसके अलावा देवेन्द्र सिंह तत्कालीन संयुक्त आयुक्त, (कार्यपालक) देंद्र सिंह के खिलाफ भी विभागीय जांच बिठाई गई। उन पर आरोप है कि मामला सामने आने पर देवेन्द्र सिंह ने इस गड़बड़ी को राज्य कर मुख्यालय तथा केन्द्रीय जीएसटी के संबंधित अधिकारियों को तत्परता से अवगत नहीं कराया। यही नहीं राजस्व को संरक्षित करने के लिए त्वरित कार्यवाही भी नहीं की। इस कारण उन पर भी विभागीय जांच सैमुअल पाल एन कर रहे हैं।

अनैतिक रिश्ते में बाधक बनने पर हुई रवि की हत्या!

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी चौकी अंतर्गत फुलतारा गांव के किसान रवि सिंह उर्फ सोनू की अनैतिक रिश्ते में बाधक बनने की वजह से हत्या कर शव कुंए में फेंक दिया गया था। पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपी ने वारदात की कहानी बयां की है। पुलिस अब मृतक की पत्नी के मोबाइल का सीडीआर निकालने में जुटी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा। फुलतारा गांव निवासी सत्यनारायण सिंह का बेटा 32 वर्षीय रवि सिंह उर्फ सोनू 19 सितंबर की रात लगभग आठ बजे घर से खेत में काम कर रहे मजदूर को खाना पहुंचाने गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। तीन दिन बाद 22 सितंबर की सुबह खेत में स्थित एक कुंए में रवि का शव उतराया मिला। गले पर धारदार हथियार के निशान और शरीर पर साड़ी से पत्थर बांधकर फेंकने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ के बाद मामले की तफ्तीश की, तो गांव के ही एक युवक की संलिप्तता सामने आई।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो सच्चाई सामने आ गई। पुलिस सूत्रों की मानें तो हत्यारोपी का मृतक रवि की पत्नी से नजदीकी संबंध था। रवि को इस बात की जानकारी हो गई थी। उसे रास्ते से हटाने के लिए 19 सितंबर को खुरपी से गला रेतकर हत्या करने के बाद शव को पत्थर बांधकर कुंए में फेंक दिया था। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि हत्यारोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ में रवि की हत्या की वजह सामने आ चुकी है। इसमें मृतक की पत्नी की संलिप्तता भी शामिल होने की आशंका है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

चर्चित कारोबारी कादिर के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी

प्रयागराज। शहर के चर्चित कारोबारी मोहम्मद कादिर की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। कुछ दिन पहले कादिर के नैनी के गोदाम में लाखों रुपये के अवैध पटाखे जब्त हुए थे। वहीं लोगों से निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये ठगी करने के आरोप में न्यायालय की ओर से गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। इसमें मोहम्मद कादिर, उसके भतीजे काशिफ व एक अन्य का नाम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, शाहगंज के मोहम्मद कादिर ने अपने भतीजे काशिफ राइन और आसिफ समेत अन्य लोगों के साथ मिलकर तथाकथित चिट फंड कंपनी बनाकर जालसाजी व कूटरचित दस्तावेज देकर पैसे को दुगुना करने का सब्जबाग दिखाकर लोगों के रुपये निवेश कराया। इसके बाद कंपनी बंद कर करोड़ों रुपये का घपलेबाजी कर ली गई। ठगी के शिकार हुए लोगों ने मोहम्मद कादिर, काशिफ, आसिफ व आदिल समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने 13 सितंबर को नामजद आरोपी आसिफ को गिरफ्तार किया था। इसकी जानकारी होने पर दर्जनों की संख्या में लोगों ने थाने पहुंचकर ठगी के रुपये वापस करने की मांग की थी। आसिफ को जेल भेजकर पुलिस कादिर समेत अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के रिकॉर्ड में सभी आरोपी परिवार के साथ फरार हो गए हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो एनबीडब्ल्यू के बाद जल्द ही आरोपियों के खिलाफ इनाम भी घोषित होगा। एडीसीपी नगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि तथाकथित चिट फंड कंपनी बनाकर लोगों से निवेश के नाम पर ठगी के मामले में मोहम्मद कादिर व उसके भतीजों समेत अन्य पर नामजद मुकदमा दर्ज है। इसमें एक आरोपी जेल जा चुका है। न्यायालय की ओर से मोहम्मद कादिर समेत अन्य के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ है।

बाइक से ज्यादा स्कूटी की मांग, सस्ती कार पहली पसंद

प्रयागराज। जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद ऑटोमोबाइल सेक्टर में सबसे ज्यादा बूम देखने को मिल रहा है। नवरात्र पर लागू इस स्कीम से दो दिन पर ही सैकड़ो घरों में बाइक और कार खरीदी गई। कई शोरूम में बाइक से ज्यादा स्कूटी की मांग रही और खूब बिकी। वहीं मध्यमवर्गीय परिवार अपनी पहली कार खरीद रहे हैं। कम कीमत होने के कारण छोटी कारों की ज्यादा ब्रिकी हुई। जीएस ड्रीम होंडा शोरूम के निदेशक हरप्रीत सिंह ने बताया कि होंडा एक्टिवा की बिक्री अच्छी हो रही है। पहले ऑन रोड इसकी कीमत लगभग 99 हजार थी और अब जीएसटी के नए स्लैब लागू होने के बाद 90 हजार में बिक रही है। वहीं बाइक में होंडा साइन डीलक्स की मांग ज्यादा रही है। 84 हजार की बाइक अब 76 हजार रुपये में बिक रही है। बाइक व स्कूटी में कुल आठ से 12 हजार रुपये की कमी आई है। इसी तरह सरस्वती मोटर्स के निदेशक अंकितराज श्रीवास्तव ने बताया कि शोरूम में मारूति की वैगनआर की मांग सबसे अधिक है। इसकी दो वजह है, पहला जीएसटी में कमी और दूसरा कंपनी ने भी छोटी गाड़ियों की कीमत कम की है। इससे कम से कम ध्50 हजार रुपये का फर्क आया है। पहले 6.50 लाख से वैगनआर मॉडल की शुरुआत थी, अब ये 5.80 लाख में बिक रही है। इसी तरह डिजायर 7 से 8 लाख की थी, अब 60 से 70 हजार कम कीमत पर बिक रही है। वहीं ब्रेजा ऑन रोड अलग–अलग मॉडल 9 से 10 लाख के बीच में है। इस गाड़ी पर करीब 90 हजार रुपये कीमत कम हुई है। जेपी होंडा के केके मिश्रा ने बताया कि टाटा की गाड़ियां खूब बिकी। सफारी के शौकीनों को करीब डेढ़ लाख रुपये का फायदा हो रहा है। टाटा पंच की कीमत 75 हजार रुपये कम हुई है।

गंगा संवाद कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

गंगा संवाद कार्यक्रम में छात्र- छात्राओं से किया गया सीधा संवाद

मुज़फ्फरनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं मुख्य विकास अधिकारी कण्डारकर कमलकिशोर देशभूषण के निर्देशन में जिला गंगा समिति द्वारा ब्लॉक खतौली के मंसूरपुर स्थित एम. ड़ीएस विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में नदियों के संरक्षण व उन्हें स्वच्छ रखने हेतु गंगा संवाद कार्यक्रम एवं स्वच्छता शपथ का

आयोजन किया गया। डॉ राजीव कुमार द्वारा छात्र– छात्राओं को नदियों के संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान, नदियों गंगा, सोलानी/बाण गंगा, काली नदी व हिंडन नदी, तथा जलीय जीवों के विषय मे जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम का आयोजन राजीव कुमार प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग/सदस्य सचिव जिला गंगा समिति के मार्गदर्शन में डॉ राजीव कुमार एवं जिला परियोजना अधिकारी हर्ष कुमार द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य अनिल कुमार, प्रबंधक अनिल शास्त्री तथा निदेशक संदीप कुमार व उपस्थित शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अखिल भारतीय समाचार-पत्र एसोशिएशन ने आशीष शर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया

अख़बारों की हर समस्याओं को सुलझाने हेतु प्रतिबद्ध रहूंगा–आशीष शर्मा

प्रयागराज। मीडिया जगत में शीर्षस्थ व चर्चित, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया से अधिसूचित राष्ट्रीय संगठन श्अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशनश जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ सम्पादक अखिलेश चन्द्र शुक्ला जी हैं। प्रयागराज के वरिष्ठ सम्पादक/पत्रकार आशीष शर्मा निकष एक्सप्रेस (अंग्रेजी दैनिक) को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि संगठन के प्रति निष्ठा, प्रतिबद्धता एवं सक्रियता के आधार पर आशीष शर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। इनका प्रतिनिधित्व निश्चित रूप से संगठन को मजबूत

और शक्तिशाली मंच प्रदान करने में सफलता प्राप्त करेगा। हमारा विश्वास है कि इनके द्वारा संगठन को एक नई दिशा/दशा सुदृढ़ करने एवं देश व्यापी पहचान बनाने में सफलता प्राप्त होगी। हमारी शुभकामनाएं सदैव इनके साथ हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा हमारा एसोसिएशन समाचार संपादकों की वर्तमान स्थितियों पर गम्भीरता से विचार कर उनके त्वरित निस्तारण हेतु सरकार के समक्ष अतिशीघ्र एक प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से अपनी बात रखने का प्रयास करेगा और जब तक निस्तारण नहीं हो जाता हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से एसआरएन में इलाज ठप

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग के जूनियर डॉ. अनुराग के साथ सोमवार को हुई मारपीट की घटना के विरोध में बुधवार को भी हड़ताल जारी है। ट्रामा सेंटर में नए मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। सभी ऑपरेशन रोक दिए गए हैं। पहले से भर्ती मरीजों को नर्स और वार्ड ब्वाय देख रहे हैं। पर्चा काउंटर बंद है। मरीज दूसरे अस्पतालों में इलाज के लिए जा रहे हैं। डॉक्टरों से अभी कोई पुलिस और प्रशासन के अधिकारी हड़ताली डॉक्टरों से बातचीत करने नहीं आए हैं। ट्रामा सेंटर के खाली बेड के गद्दे को डॉक्टरों ने अपना आसान बना लिया है। उनका कहना है कि उच्च अधिकारी आरोपियों को बचाने में लगे लगे हैं। ओपीडी में सीनियर डॉक्टर पुराने मरीजों को देख रहे हैं।

रामसेतु नाव के आकार का सेट तैयार किया जाएगा

प्रयागराज। उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर द्वारा प्रयागराज शहर में मिन्टो पार्क गेट से अरैल नैनी तक बनने वाले राम सेतु (पैदल पुल मार्ग) बनाने हेतु निरीक्षण/चर्चा सेतु

निगम की टीम के सी0पी0एम0, प्रोजेक्ट मैनेजर रोहित मिश्रा, आलोक आठले आर्किटेक्ट, अनिल मौर्या, अधिशाशी अभियन्ता, डम्बर सिंह, सहायक अभियन्ता, राम सक्सेना अवर अभियन्ता व प्रीती गुप्ता पार्शद के साथ किया गया। यह राम सेतु नाव के आकार का तैयार किया जायेगा। जिसकी चौड़ाई 5 मीटर होगी और ऊँचाई आई0डब्लू0आई0 के मानक के अनुरूप होगी जिस पर राम सीता व लक्षमण की मूर्ति भी स्थापित होगी। राम चन्द्र जी द्वारा बनवास जाते समय यमुना नदी को पार किया गया था इस पैदल सेतु के निर्माण से जहाँ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा वहीं रोजगार के अवसर प्राप्त होगें। इस राम सेतु (पैदल पुल मार्ग) के निर्माण में लगभग 500 करोड़ का व्यय अनुमानित है। मा0 महापौर जी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को तत्काल उक्त राम सेतु के निमार्ण हेतु ड्राईग डिजाइन व व्यय अनुमान प्रस्तुत करने के आदेश दिये गये।

आरेडिका में राजभाषा पर साहित्यिक व्याख्यान का आयोजन

रायबरेली। आरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक काम करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से राजभाषा पखवाडा के तहत

दिनांक–17.09.2025 से 27.09.2025 तक विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक–23.09.2025 को राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र स्थित ऑडिटोरियम में साहित्यिक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें अतिथि वक्ता डॉ. सुरेश कुमार सैनी (सेवानिवृत प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल) ने "मलिक मोहम्मद जायसी – प्रेम के पीर के कवि" विषय पर साहित्यिक व्याख्यान देते हुए सूफी रस में डूबे महाकाव्य पदमावत के 57 खण्डों का बहुत ही सरल अंदाज में वर्णन किया और बताया कि यह महाकाव्य हमें जीवन में प्रेम, त्याग और करुणा की शिक्षा देता है। जायसी का काव्य, शब्दों में प्रेम की गंध और हृदय में संवेदना का संदेश देता है। दिनांक–24.09.2025 को डा0 चंपा श्रीवास्तव (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्या फीरोज गांधी कॉलेज रायबरेली) ने ''हिंदी भाषा के प्रयोग और संभावनाएं'' विषय साहित्यिक व्याख्यान दिया एवं उन्होने कहा कि हिंदी का ढाई अक्षर विश्व प्रेम का मूलमंत्र है। हिंदी विकास की जननी है। विदेशों में भी हिंदी का विस्तार विभिन्न मंचों के माध्यम से सतत रूप से हो रहा है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 05625/05626 कामाख्या - रोहतक त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 05625 कामाख्या - रोहतक			गाड़ी संख्या - 05626 रोहतक - कामाख्या	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	22:00	कामाख्या	15:30	.....
02:10	02:15	प्रयागराज	09:40	09:50
04:30	04:35	गोविन्दपुरी	06:30	06:35
09:04	09:06	अलीगढ़	02:18	02:20
14:45	.....	रोहतक	.....	22:10

• कामाख्या से गाड़ी संख्या 05625, शुक्रवार, दिनांक : 26.09.2025 से 07.11.2025 तक • रोहतक से गाड़ी संख्या 05626, रविवार, दिनांक : 28.09.2025 से 09.11.2025 तक

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी : 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 06, स्लीपर श्रेणी : 06, सामान्य श्रेणी : 04

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1750/25(AS)

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण/रेलयात्रियों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि झाँसी मंडल के अंतर्गत वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 03 पर स्थित वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसके स्थान पर नई बैलास्टलेस ट्रैक का निर्माण कार्य दिनांक 25.11.2025 से 08.01.2026 तक किया जायेगा। उपरोक्त के दृष्टिगत निम्नलिखित गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
04137	ग्वालियर-बरौनी	ग्वालियर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-गोविन्दपुरी	ग्वालियर-इटावा-गोविन्दपुरी	26.11.25 से 07.01.26
04138	बरौनी-ग्वालियर			24.11.25 से 05.01.26
22129	लोकमान्य तिलक (ट.)-अयोध्या कैंट	ललितपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-महोबा	ललितपुर-खजुराहो-महोबा	25.11.25 से 06.01.26
22130	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)			26.11.25 से 01.01.26
04155	सूबेदारगंज-उधना	सूबेदारगंज-गोविन्दपुरी, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	सूबेदारगंज-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-सतना-इटारसी	01.12.25 से 05.01.26
04156	उधना-सूबेदारगंज			25.11.25 से 06.01.26
09189	मुंबई सेंट्रल-कटिहार	प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर जं.-कटनी मुड़वारा-बीना	29.11.25 से 03.01.26
09190	कटिहार-मुंबई सेंट्रल			25.11.25 से 01.01.26
06529	सर एम.विश्वे. (ट.) बेंगलुरु-गोमती नगर	गोविन्दपुरी-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	गोविन्दपुरी-भीमसेन-ओहन-सतना-इटारसी	24.11.25 से 05.01.26
06530	गोमती नगर-सर एम.विश्वे. (ट.) बेंगलुरु			28.11.25 से 02.01.26

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1741/25(ADM)

दवा कारोबारी के घर से मिला नशीली दवाइयों का बड़ा जखीरा

मुजफ्फरनगर। शहर में साढ़े तीन करोड़ रुपये की नकली दवाइयों की खपत का सनसनीखेज खुलासा होने के बाद अब प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के बड़े कारोबार का भंड़ाफोड़ हुआ है। साकेत कॉलोनी स्थित एक मकान में छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नशीली और प्रतिबंधित दवाइयों का जखीरा बरामद किया गया। नगर मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी और ड्रग्स विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर दवाइयों को जब्त किया। प्रारंभिक जांच में आठ–नौ ऐसी दवाइयां पाई गई हैं, जो नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रतिबंधित हैं। पकड़े गए दो आरोपियों में से एक स्थानीय मेडिकल स्टोर संचालक बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

बता दें कि आगरा में नकली दवा करोबार कांड के खुलासे के बाद मुजफ्फरनगर से भी इस सिंडिकेट का पूरा लिंक मिला और साढ़े तीन करोड़ रुपये की नकली दवाइयों के कारोबार का खुलासा हुआ था, अब यहां पर नशीली दवाइयों के खुले व्यापार का भी भंड़ाफोड़ हुआ है। इसमें एक दवा कारोबारी के घर से बड़े पैमाने पर नशीली दवाइयों की खेप को पुलिस, प्रशासन और औषधि विभाग की संयुक्त टीम के अफसरों ने छापामार कार्यवाही के दौरान बरामद किया है।

औषधि निरीक्षक पवन शाक्य ने बताया कि पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक के द्वारा नशीली दवाइ का इंजेक्शन लगाया जा रहा था। तभी से इस युवक की पहचान के लिए विभागीय स्तर पर जांच की जा रही थी। इसकी पहचान होने पर गोपनीय सूचना मिली कि यह नशीली दवाइयों का बड़े पैमाने पर अवैध कारोबार कर रहा है। नारकोटिक्स एक्ट के नियमों के खिलाफ नशीली दवाइयों का भंडारण और उनकी खुली बिक्री की जा रही है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस, प्रशासन और विभागीय स्तर पर संयुक्त कार्यवाही के लिए छापा मारा गया। डीआई पवन शाक्य ने बताया कि राहुल कुमार नामक युवक के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अन्तर्गत मोहल्ला साकेत मल्हूपुरा में स्थित आवास पर छापा मारा गया,

तो यहां पर बड़े पैमाने पर नशीली प्रतिबंधित दवाइयों का जखीरा बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि राहुल कुमार ने औषधि विभाग से केएम ट्रेडर्स के नाम से थोक दवा व्यापार के लिए लाइसेंस ले रखा है। राहुल ने अपना मेडिकल स्टोर कच्ची सड़क पर खोला हुआ है और घर को अवैध गोदाम बनाया हुआ है। राहुल के घर से आठ–नौ ऐसी दवाइयां बरामद हुई हैं, जिनकी नारकोटिक्स एक्ट के तहत खुली बिक्री और बड़े पैमाने पर भंडारण पूरी तरह से प्रतिबंधित और अवैध है। उन्होंने बताया कि राहुल के आवास से बरामद दवाइयों में एलप्राजोलेम, पेन्टापाजोलम, ट्रामाडोल आदि दवाइयां शामिल हैं। यहां से करीब ढाई–तीन लाख रुपये कीमत की ये प्रतिबंधित दवाइयां मिली हैं। दवाइयां को मौके पर ही जब्त कर लिया गया है। कार्यवाही में शामिल रहे सीओ सिटी ने बताया कि साकेत कालोनी में एक दवा कारोबारी आवास पर छापा मारा गया था। यहां से नारकोटिक्स एक्ट के अन्तर्गत प्रतिबंधित नशीली दवाइयों का बड़ा भंडार मिला है।

दवा कारोबारी राहुल कुमार व एक अन्य को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस आरोपियों से बरामद दवाइयों के सम्बंध में पूछताछ कर रही है। इसमें एनडीपीएस के अन्तर्गत कार्यवाही की जा रही है। औषधि निरीक्षक पवन शाक्य ने मामले में पुलिस को तहरीर दी है।

ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में एन.एस.एस स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (24 सितंबर) के तत्वावधान में आज ''राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस एवं विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग'' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय एन.एस.एस प्रभारी डॉ.अरविंद कुमार मिश्र ने उपस्थित जनों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जीवन में जिम्मेदारियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने राधाकृष्णन को उद्धृत करते हुए बताया की हमें विश्वविद्यालय के छात्रों को समाज से जोड़ने का काम करना और विकसित भारत के राष्ट्र निर्माता तैयार करना है और एन.एस.एस हमारे स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण के लिए भलीभांति तैयार करने का एक सशक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 हेतु विकसित

भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज के संबंध में स्वयंसेवकों को विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए माय भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करते हुए कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आलोक कुमार मिश्र ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना से जुड़े प्रकल्पों की चर्चा की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डॉ रफाक अहमद ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना से जुड़े व्यावहारिक एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े हुए पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेश कुमार यादव ने राष्ट्र निर्माण के ऐतिहासिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत स्वयंसेविकाओं द्वारा प्रस्तुत लक्ष्य गीत के साथ हुई।तत्पश्चात स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विविध आयामों पर अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ स्वयंसेविका स्वाती पलक ने किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर कृष्णा सिंह एवं सभी इकाइयों के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाएं उपस्थित अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बाघम्बरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी, भारतद्वाजपुरम

राम–सीता विवाह से गूँजी जनकपुरी, अयोध्या में रामराज्य की घोषणा पर मंथरा–केकयी का षड्यंत्र

प्रयागराज। बाघम्बरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी, भारतद्वाजपुरम द्वारा आयोजित भव्य रामलीला के तीसरे दिन बुधवार रात्रि को रामायण के सबसे हर्षोल्लासपूर्ण और भावुक प्रसंगों का मंचन किया गया। जनकपुर में माता सीता का विवाह श्रीराम के साथ अत्यंत मंगलमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। विवाह मंडप में वेद–मंत्रों की गूंज, पुष्पवर्षा और भक्ति गीतों ने समूचे पंडाल को आध्यात्मिक आभा से आलोकित कर दिया। जनकपुरी का दृश्य इतना जीवंत प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं त्रेता युग की पावन नगरी सामने सजी हो। विवाह में चारों भाइयों के शुभ मिलन से दर्शकों ने ष्सिया राम जय जय रामष् के जयकारों के साथ आशीर्वाद दिया। विवाहोपरांत अयोध्या में लौटने पर महाराज दशरथ ने पूरे नगर में हर्ष का वातावरण फैलते देखा। महलों में दीपमालाएँ सजाई गईं और नगरवासी बधाइयाँ गाते हुए राजमहल पहुँचे। दशरथ ने अपने ज्येष्ठ पुत्र श्रीराम को उत्तराधिकारी घोषित कर उनका राजतिलक करने की घोषणा की। यह सुनकर नगरवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई और अयोध्या ष्रामराज्यष् की कल्पना में डूब गई। लेकिन इसी आनंद के बीच षड्यंत्र का बीज बोया गया। राजमहल की दासी मंथरा ने महारानी केकयी को बहकाकर उन्हें उनके दो वरदानों की याद दिलाई। मंथरा ने केकयी को समझाया कि यदि राम का राजतिलक हुआ तो भरत उपेक्षित हो जाएंगे। मंथरा के कठोर शब्दों से विचलित होकर महारानी केकयी ने संकल्प लिया कि वो महाराज से अपने दोनों वर को मांगेगी।

यह भावुक दृश्य देखकर दर्शकों की आँखें नम हो गईं। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से महाकाव्य रामायण की गहराई को जीवंत कर दिया। निर्देशकरू आलोक नायर, सह–निर्देशकरू रवींद्र वर्मा, मंच व्यवस्थारू प्रणय, सत्यम राजपूत, नीरज मिश्रा, निमिष गुप्ता, ध्वनिरू प्रणय कुशवाहा, प्रकाशरू गौरव शर्मा, मेकअपरू अलका पांडेय व टीम, कोरियोग्राफीरू आनंद त्रिपाठी व टीम, प्रोडक्शन कंट्रोलररू कोणार्क अरोरा , आर्टिस्ट कोऑर्डिनेटररू कोणार्क, अमन ।

मुख्य कलाकार में.. श्री राम अमितेश श्रीवास्तव, लक्ष्मण के पात्र में चंकी बच्चन, सीता के पात्र में शालिनी मिश्रा, भरत की भूमिका में शिवांक, शत्रुघ्न दीपेंद्र , दशरथ अतुल कुशवाहा रहे वही जनक के पात्र में वरिष्ठ रंग कर्मी शैलेश श्रीवास्तव, मंथरा रोहित जी ने, केकयी की भूमिका में ऋतिका अवस्थी जी रही। कौशल्या पल्लवी दयाल जी, सुमित्रा आरती चौधरी रही।

कमेटी के पदाधिकारी एवं सहयोगी, ।अध्यक्षरू ओम नारायण त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष हरेंद्र सिंह जी, संयोजक राम जी पाण्डेय रहे, साथ ही अन्य कार्यकर्ताओं ने राम काज में सहयोग रहा। समिति ने बताया कि आगामी दिवस की रामलीला में ष्राम वनगमनष् और ष्दशरथ का शोकष् जैसे मार्मिक प्रसंग मंचित किए जाएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक : डब्लू -34/ब्रिज/2025 दिनांक- 24.09.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के अधीन स्थित रेलवे ब्रिज संख्या-42 के नीचे आर.सी.सी. रोड निर्माण कार्य किया जाना है। इस कारण से ब्रिज के उस ओर की सड़क, जो धूमनगंज से झलवा की ओर जाती है, दिनांक 25.09.2025 से 04.10.2025 तक बंद (ब्लॉक) रहेगी। सड़क यातायात हेतु आमजन के लिए ब्रिज के विपरीत दिशा की सड़क, जो झलवा से धूमनगंज की ओर जाती है, इस अवधि में खुली रहेगी। उक्त व्यवस्था हेतु जिला प्रशासन की अनुमति प्राप्त है। नागरिकों से अनुरोध है कि कृपया असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

सहायक मंडल अभियंता/लाइन
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1751/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती 25 सितंबर को

प्रयागराज। आप सभी प्रदेश पदाधिकारीगण, क्षेत्र पदाधिकारीगण, जिला पदाधिकारीगण, मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण, सभी सम्मानित जनप्रतिनिधिगण पार्षदगण, सभी मंडल पदाधिकारीगण, सभी शक्ति केंद्र संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष पन्ना प्रमुख बंधुओं एवं विचार परिवार के सभी सम्मानित सदस्यगण आप सभी को 25 सितंबर को अपने अपने बूथ पर चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों एवं कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देनी है।' 'एक पेड़ मां के नामष् के तहत पौधारोपण कार्यक्रम भी करना है।' 'स्वक्षता अभियान किसी भी सार्वजनिक स्थल पर करना है।' 'स्नातक मतदाता का 5 फॉर्म प्रत्येक बूथ पर अनिवार्य रूप से भराएं।' 'सभी मंडल अध्यक्षगण एवं शक्ति केंद्र संयोजक बंधु अपने बूथों पर होने वाले कार्यक्रम की चिंता करें साथ ही मंडल में निवास करने वाले जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों को अवश्य बुलाकर कार्यक्रम संपन्न कराएं।'

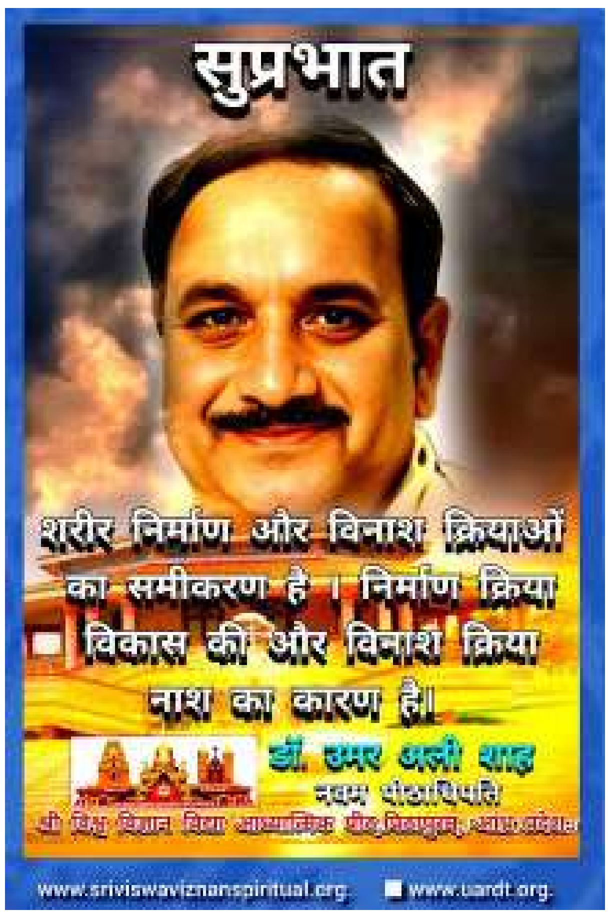

चाँदनी जिसको कहते

(कुण्डलिया)

अद्भुत है पाकीज़गी,जीने का अन्दाज़।
खिलती है जब चाँदनी, लाती मधुर रिवाज़।
लाती मधुर रिवाज़, प्रेम को परिभाषित कर।
जीवन का हर राज, खोलती आकर्षित कर।
सुन लो कहें प्रदीप,करे जब खुद को प्रस्तुत।
कहते हैं तब सभी, फूल का जीवन अद्भुत।।

औषध ही औषध भरे, पौधा झाड़ीदार।
सेवा को हरिमन्त्र कह,निर्मल रखे विचार।
निर्मल रखे विचार, जीव का साथी बनके।
मोहक मोहन गात, चाँदनी जिसको कहते।
सुन लो कहें प्रदीप,क्रोध का करके यह वध।
भरता है मुस्कान, दिलों का बनकर औषध।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच द्वारा नवरात्रि के पुनीत अवसर पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ काव्यगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित नवरात्रि के उपलक्ष्य में महिला काव्यगोष्ठी का आयोजन

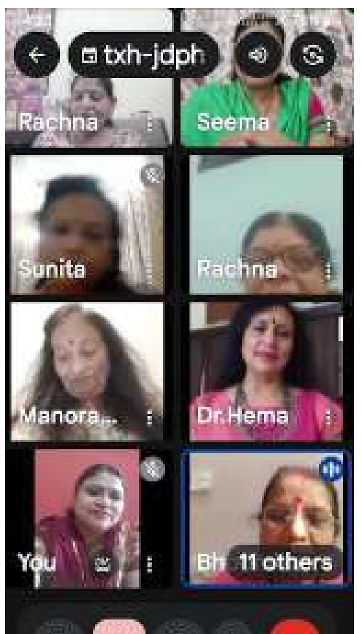

गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना के अध्यक्षता सचिव उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि सीमा वर्णिका। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति छाया सक्सेना प्रभु (जबलपुर) ने दी। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे,साधना शुक्ला, रचना सक्सेना जबलपुर, डॉ सुषमा त्रिपाठी, सुषमा सिंह उर्मि, संतोष मिश्रा दामिनी, सुनीता मिश्रा, सरिता कपूर, साधना खरे, अर्चना झा अन्नु डा. शशि जायसवाल, आरती शर्मा, डॉ सारंगदेश असीम, हेमा, योगिता सिंह, मनोरमा श्रीवास्तव आदि बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

उत्तर मध्य रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे
नवाब यूसुफ रोड, बाल्मीकि चौराहा, प्रयागराज 211001

वर्ष 2025-26 में सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत (खुली भर्ती)

नोटिफिकेशन (सं.सू. CQ-03/2025) दिनांक : 23.09.2025

नोटिफिकेशन जारी करने की तिथि: 24.09.2025
ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभिक तिथि: 26.09.2025
ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि व समय 25.10.2025, 23:59 बजे तक

उत्तर मध्य रेलवे में सांस्कृतिक कोटा वर्ष 2025-26 में खुली भर्ती के तहत ग्रेड पे रू. 1900/- (7 वें सीपीसी के बाद संशोधित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-02) में भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से नीचे दर्शाये गये कोटे के विरुद्ध ऑनलाईन आवेदन अंतिम तिथि 25.10.2025 रात्रि 23:59 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	पद	मैट्रिक्स लेवल (7th वें सीपीसी)	पदों की संख्या	पदों का आवंटन
1	गिटार	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रू. 1900/-)	01 (एक)	उत्तर मध्य रेलवे पर
2	कीबोर्ड	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रू. 1900/-)	01 (एक)	उत्तर मध्य रेलवे पर

➤ उपरोक्त कोटा सभी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु है बशर्ते वे न्यूनतम योग्यता / अर्हता रखते हों।

➤ रोजगार सूचना, आवेदन पत्रों का प्रारूप एवं अन्य सभी विवरण, यथा शैक्षणिक योग्यता, आयु, भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के वेबसाइट www.rrcpryj.org पर दिनांक 24.09.2025 से उपलब्ध है।

अध्यक्ष,
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1743/25 (DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय........

अपनों पर बमबारी

पाक सत्ता के कुशासन व भेदभाव से त्रस्त उसके कई राज्यों के नागरिक दमन के खिलाफ मुखर विरोध जताते रहे हैं। जिसमें पाकिस्तान के अशांत उत्तर–पश्चिमी प्रांत, खैबर पख्तूनख्वा के लोग भी शामिल हैं। गरीबी–महंगाई और हाल के हफ्तों में भारी बाढ़ की तबाही झेल रहे खैबर के असहाय लोग अब एक क्रूर सैन्य अभियान का भी दंश झेल रहे हैं। कहने को तो पाक सेना के इशारे पर मुहिम चला रही सरकार का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों का सफाया करने के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि तिराह घाटी में पाकिस्तानी वायु सेना के विमानों द्वारा किए गए बम विस्फोटों में महिलाओं–बच्चों समेत करीब तीस नागरिकों की जान चली गई है। इस घटना के बाद पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने अफगानिस्तान सीमा के पास हुए हवाई हमलों की जांच की मांग की है। हमेशा की तरह की झूठी कहानी गढ़ने में मशहूर पाकिस्तानी पुलिस की दलील है कि इन मौतों के लिये उस परिसर में हुए विस्फोट जिम्मेदार हैं, जहां टीटीपी ने विस्फोटक सामग्री जमा कर रखी थी। दरअसल, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वारा पाकिस्तान के आतंकवाद फैलाने के मंसूबों को बेनकाब किया है। जिसके जवाब में पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनीर यह दिखावा करने पर तुले हुए हैं कि उनका देश आंतकवाद का पोषक नहीं बल्कि इससे पीड़ित देश है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान में यह चाल खूब चली है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भारतीय धरती पर हुए इस भयावह नरसंहार के लिये पाकिस्तान को दोषी ठहराने से कतरा रहा है, भले ही इसके स्पष्ट संकेत हों। दरअसल, कथित रूप से आतंकवाद से निपटने के बहाने, पाकिस्तान का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ यानी पीटीआई सरकार को कमजोर करने की भरसक कोशिश कर रहा है। वास्तव में पाक हुकमरान अतीत में भी सेना के इशारे पर विपक्षी राजनीतिक दलों के दमन के लिये अभियान चलाते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई अपने संस्थापक, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दो साल से जेल में बंद होने के विरोध में पहले ही संघर्ष जारी रखे हुए है। पूरे देश में पीटीआई कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की सत्ता में काबिज वर्ग विशेष के खिलाफ प्रतिरोध का स्वर मुखर करने वाले प्रांतों में लोगों के सफाये के लिये सुनियोजित अभियान चलाये जाते रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा में लंबे समय से मानवाधिकारों के हनन और लोगों के जबरन विस्थापन के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर उभरते रहे हैं। अब इस हवाई हमले ने पाकिस्तान सरकार के नापाक मंसूबों को सारी दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो अपने सोते हुए नागरिकों पर बम बरसाकर खतरनाक इरादों को अंजाम दे रही है। विडंबना यह है कि जो पाकिस्तान भारत के खिलाफ दशकों तक सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक रहा है, अब यह चाहता है कि तालिबान सरकार सुनिश्चित करे कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिये न हो। इसमें दो राय नहीं कि पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के दुस्साहस के चलते ही अफगानिस्तान के साथ उसके देश के संबंधों को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के इस टकराव के रवैये के कारण पाकिस्तान व अफगानिस्तान के रिश्ते सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं। निस्संदेह, इससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता खतरे में पड़ गई है। सही मायनों में खैबर पख्तूनख्वाह में मची तबाही पर भारत को पाक पर आंख बंद करके विश्वास करने वाले चीन, अमेरिका और तुर्की जैसे देशों को इस हकीकत से अवगत कराना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा अपने ही नागरिकों पर किए जा रहे अत्याचारों पर आंख मूंद लेने के लिए भारत को इन देशों को आड़े हाथ लेना चाहिए। समय–समय पर भारत व पाकिस्तान को लेकर दोहरे मापदंड अपनाने वाले इन देशों को हकीकत से अवगत होना जरूरी भी है। उन्हें याद रखना चाहिए कि वे भारत व पाकिस्तान को एक तराजू में रखकर नहीं तोल सकते हैं।

भागीदारी का मूल्य समझ सम्मान संग मिले हिस्सेदारी

डा0 मोनिका शर्मा

अलग से किसी तरह के मालिकाना हक की चिंता करनी ही क्यों है? वे तो घर को संभालने–चलाने से जुड़ी अपनी फाइनेंशियल वैल्यू भी नहीं आंकतीं।

हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने स्त्री शक्ति की अहमियत समझने के भाव से जुड़ा एक अहम निर्णय दिया। न्यायालय द्वारा परिवारों में गृहिणियों के योगदान को मान्यता देने की वकालत की। दिल्ली उच्च न्यायालय के अनुसार, अब समय आ गया है कि घर–परिवार संभाल रही स्त्रियों की भूमिका को संपत्ति के स्वामित्व संबंधी अधिकारों के संदर्भ में मान्यता दी जाए, क्योंकि घर बनाने और चलाने में गृहिणियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। असल में यह फैसला स्त्री शक्ति के उस रूप की ओर ध्यान दिलाता है, जिसकी भागीदारी अकसर अनदेखी रह जाती है। यह निर्णय कहता है कि स्वयं को भूलकर बच्चों पर प्यार लुटाने और संस्कार पोसने वाला मातृशक्ति का यह रूप भी मान पाने योग्य है। असल में बड़े–बुजुर्गों की संभाल से लेकर आंगन में अपनेपन को कायम रखने तक, गृहिणियों को भी सम्मान मिलना चाहिए। बावजूद इसके ज़िम्मेदारियां निभाने में पूरा जीवन लगा देने वाली बहुत सी घरेलू स्त्रियों के हिस्से कुछ नहीं आता। मान–सम्मान के मोर्चे पर उपेक्षा ही नहीं, आर्थिक पहलू पर असुरक्षा भी उनके मन को घेरे रहती है। ऐसे में कोर्ट का फैसला सचमुच स्त्री शक्ति की इस भूमिका की गरिमा समझने की बात लिए है। आंगन तक सिमटी इस भागीदारी के मूल्य को समझकर सम्मान देने का आह्वान करता है। मां, पत्नी, बहू, बेटी के रूप में महिलाओं को बताया जाता है कि सब उनका ही तो है। महिलाएं भी जब तक किसी संकट में ना फंस जाएं यही मानती हैं कि घर के आर्थिक मामलों में अपनी बात रखने की जरूरत ही क्या है? अलग से किसी तरह के मालिकाना हक की चिंता करनी ही क्यों है? वे तो घर को संभालने–चलाने से जुड़ी अपनी फाइनेंशियल वैल्यू भी नहीं आंकतीं। परिजन–स्वजन तो इस विषय में सोचते ही नहीं। तभी तो बहुत से बदलावों के बावजूद यह अनदेखी कायम है। ऐसे में इस निर्णय से घर, परिवार और बच्चों की देखभाल में गृहिणियों के योगदान को आंकते हुए मालिकाना अधिकारों का फैसला लेने में मदद मिलेगी। दिन–रात अपनों को बिना मांगे मिलने वाले उस सहयोग का मूल्य तय किया जा सकेगा, जिसे आर्थिकी के किसी खांचे में नहीं रखा जाता। कोर्ट ने भी कहा कि घरों में पूर्णकालिक गृहिणियों की मौजूदगी से विशेष मदद मिलती है। साथ ही हमारे देश के बहुत से परिवारों में घरेलू सहायक भी नहीं हैं। स्पष्ट है कि इन परिवारों में फुलटाइम गृहिणियों की मौजूदगी बहुत से खर्चों को बचाती है। इस तरह होने वाली बचत भी

कई परिवारों को संपत्ति खरीदने की स्थिति तक लाती है। महिलाओं की इस बचत से कई परिवार अपना घर बना पाते हैं। सुख–सुविधाएं जुटा पाते हैं। बावजूद इसके पारिवारिक संपत्ति के स्वामित्व और गृहिणियों को लेकर कोई बात ही नहीं होती। 'सब तुम्हारा ही है' कहने वाले हमारे परिवेश में स्त्रियों के पास सब कुछ होकर भी कुछ नहीं होता। गृहिणी के रूप में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी की अनदेखी का भाव सदा से रहा है। उनके मालिकाना हक को लेकर न सोचने के पीछे भी यही सोच रही है। जबकि गृहिणियां अपनी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा उन अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं, जिनके लिए घरेलू सहायक अच्छी–ख़ासी तनख्वाह लेते हैं। महिलाओं को उनके कामों के लिए आर्थिक लाभ देने में ही नहीं इस भूमिका को सम्मानजनक बनाने का भाव भी नदारद है। हमारे यहां महिलाओं के हिस्से विकसित देशों की स्त्रियों से ज्यादा काम हैं व सुविधाएं कम हैं। देश में गृहिणियों की सेविंग समूची बचत का 24 फीसदी है जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। कहना गलत नहीं होगा कि उनसे मिले स्नेह, सहयोग और संबल का आर्थिक मोल आंकना तो असंभव ही है। ऐसे में घरेलू महिलाओं के योगदान की मॉनिटरी वैल्यू समझना आवश्यक है। साथ ही गृहिणी की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी की अनदेखी को रोकने के लिए संपत्ति स्वामित्व में उनके अधिकारों को रेखांकित करना जरूरी है। घरेलू महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कमोबेश हर अध्ययन अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी की बात कहता है। ऐसे में संपत्ति के अधिकार की मांग से जुड़ा यह ताजा मामला और फैसला दोनों विचारणीय हैं। दरअसल, एक महिला द्वारा उच्च न्यायालय से मांग की गई थी कि विवादित संपत्ति में उसका भी समान और वैध अधिकार घोषित किया जाये। उसने परिवार की देखभाल के लिए अपनी नौकरी तक छोड़ दी थी। मामले में हाईकोर्ट ने कहा कि ससुराल में पत्नी का रहना मात्र उसे पति के नाम पर मौजूदा संपत्तियों पर मालिक होने का अधिकार प्रदान नहीं कर सकता है। इसके लिए ठोस साक्ष्य और घरेलू योगदान को स्थापित करना जरूरी है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा–प्रवास और अमेरिका–भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म–निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है। निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता–जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच–1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आईटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं।

युवा --सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत

डा. संगीता बनाफर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत

युवा ही हमारे राष्ट्र के भविष्य हैं। उनके रचनात्मक और कार्यात्मक ढांचे के साथ–साथ उनकी मानसिक शक्ति और व्यक्तित्व का विकास हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अतः, मैं सभी युवाओं से आह्वान करती हूँ कि वे अपनी शक्ति को पहचानें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।ष

सुन ले तू वह धुन, जो गूंजे क्षितिज के पार से।
कर ले जय अपने जीवन की, कर्म के श्रृंगार से।

युवा शब्द सुनते ही मन में उत्साह, सक्रियता, ऊर्जा और स्फूर्ति की अनुभूति होती है। ऊर्जा से भरपूर युवाओं का समूह जब विद्या अध्ययन करे या किसी उद्देश्य के लिए एकजुट होकर काम करे, तो परिवर्तन निश्चित है।

यदि आप युवा हैं..तो आप निश्चित ही सकारात्मक उर्जा का स्त्रोत है, और यदि आप में लगातार संघर्ष करने का जज्बा तथा हर पल कुछ नया करने की उमंग है, तो आप हर मुश्किल परिस्थिति में भी अजेय बने रहेंगे। निराशा की विभीषिका के मध्य आप ही सृजन के मधुर गीत गा सकते हैं। असफलता की ज्वाला में सफलता का प्रकाश स्त्रोत बन अपने साथ साथ अपने चारों ओर आप ही प्रकाश फैलाएंगे बस आप में निराशा,हताशा,अवसाद ग्रस्त,निष्ठुर हृदय को मानवीय सजल संवेदनाओं से सिक्त करने का भाव हो। शारीरिक बल से अधिक मानसिक शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करें ,शिक्षा का ध्येय व्यक्तित्व का विकास है और तभी आप संकल्प शक्ति और दूरदर्शिता का परिचय दे सकेंगे स आज युवाओं को संपन्नता अर्जित करने की अभिलाषा अधिक है उस गौरव को अर्जित करने की तितिक्षा होनी चाहिए जो आंतरिक समृद्धि प्रदान कर सके। उत्कृष्ट बने..जब आप के विचारों में उत्कृष्टता होती है, तो आप जहाँ भी और जिन लोगों के साथ होते हैं, उन्हें भी कर्मठ और उत्कृष्ट बना देते हैं।

हम सभी जानते हैं कि संगत का असर होता है,और हम अक्सर अपना बचाव करते हुए दूसरे को दोषारोपण करते हैं.. कि हम दूसरों की संगत में बिगड़ रहे हैं, तो क्यों ना हम अपनी अच्छी आदतों से उनके लिए एक अच्छी संगत बनकर उन्हें भी प्रेरित करें । दूसरों में कमियाँ खोजने की बजाय, खुद में सुधार करें। मन की भटकन और बिखराव हमें अंदर से कमज़ोर करते हैं। एक कमज़ोर मन न खुद को जोड़ पाता है और न दूसरों को। इसलिए, दृढ़ निश्चय के साथ इन्हें छोड़ दें। अपनी परेशानियों को नशे से दूर कर , गर्त में जाने के बजाय, उनका सामना करें।

हमें एक ही जीवन मिला है। खुद से वादा करें, अपना आत्म–अवलोकन कर , पवित्रता व एकाग्रता को अपनाकर एक स्वच्छ मानसिकता विकसित करें। आप रूप, उम्र या साधनों तक सीमित रहने वाले निम्नस्तरीय प्राणी नहीं हैं, जो केवल सुविधाओं से संतुष्ट हो जाएँ। आप तो साधनों से परे, जीवन की साधना से अपने व्यक्तित्व को निखारें। कुछ कर गुजरने का एक जज्बा लाये।

आपको पता ही नहीं चलेगा की कब आप लोगों की प्रेरणा बन गए। बस इसके लिए आपको कठिन मेहनत, अच्छी किताबें पढ़ना, अच्छी शिक्षा, और सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। याद रखें, अब ईश्वर स्वर्ग से नहीं उतरेंगे। उन्होंने हमें सर्वश्रेष्ठ बनाकर श्रेष्ठ सृजन के लिए इस धरती पर भेजा है। हमें बस अब अपनी श्रेष्ठता साबित करने की आवश्यकता है।

अब तो तू संकल्प ले, और नित नई बुनियाद रख।
छोड़ दे सुख का बिछौना, और नित नया इतिहास रच।

गोडसे के पागलपन को बढ़ावा

भाजपा की देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की सनक और उसी दिशा में काम करती मोदी सरकार की संकुचित सोच ने किस कदर देश और समाज को नुकसान पहुंचाया है, इसका एक ताजा उदाहरण सामने आया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 5 प्रमुख हिंदी न्यूज़ चौनलों को नोटिस भेजा है कि उनके कार्यक्रमों में लगभग 30 प्रतिशत उर्दू शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है। महाराष्ट्र के ठाणे में रहने वाले एस.के. श्रीवास्तव ने 9 सितंबर 2025 को केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएम) के पोर्टल पर शिकायत दर्ज की थी कि हिंदी न्यूज़ चौनल टीवी 9 भारत वर्ष, आज तक, एबीपी न्यूज़, ज़ी न्यूज़ और टीवी अपने प्रसारण में लगभग तीस प्रतिशत उर्दू शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। सितम्बर का महीना हिंदी को राजभाषा बनाए जाने के उत्सव का महीना होता है, 14 सितम्बर को हिंदी दिवस मनाया जाता है, तो मुमकिन है श्रीवास्तवजी का हिंदी प्रेम इतना जाग गया कि उन्होंने इन पांचों समाचार चौनलों के सारे प्रसारणों को सुना हो और उसमें उर्दू लफ्ज़ों के इस्तेमाल का प्रतिशत भी निकाल लिया। हालांकि अब तक इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि पांच चौनलों के कार्यक्रमों में कितने प्रतिशत उर्दू है, यह गणित उन्होंने कैसे हल किया। अगर उन्हें उर्दू का प्रतिशत निकालने में कामयाबी मिल गई, तो वे ये भी बता देते कि हिंदी, अंग्रेजी, अरबी, जापानी, फ्रेंच, संस्कृत, स्पैनिश, फारसी इन सबके इस्तेमाल का प्रतिशत क्या है। क्योंकि खबरों में ट्रेन, रिक्शा, आलू, टमाटर जैसे शब्द कहीं न कहीं आए ही होंगे और ये सब हिंदी के मूल शब्द नहीं है, आयातित शब्द हैं। भाषाविज्ञान और हिंदी साहित्य के ज्ञाता इस बारे में और ज्ञानवर्द्धन कर सकते हैं कि आज हिंदी के जिस रूप से हम परिचित हैं, उसमें कई भाषाओं का मिश्रण है। क्षणिक चर्चा में आने के लिए, हिंदी के गुणगान से अपनी देशभक्ति साबित करने के लिए या उर्दू से बैर दिखाकर अपनी सांप्रदायिक नफरत को दर्शाने के लिए, चाहे जिस भी वजह से एस के श्रीवास्तव ने यह शिकायत सरकार के पोर्टल पर दर्ज की हो, उस पर जिस तेजी से कार्रवाई हुई, वह आश्चर्यचकित करती है। इस देश में

लाखों–करोड़ों लोग न्याय पाने के लिए भटकते रहते हैं। सरकारी दफ्तरों में उनकी अर्जियां फाइलों में दबी रह जाती हैं। अपने हक के लिए अधिकारियों के आगे गिड़गिड़ाना पड़ता है और अक्सर अपमानित भी होना पड़ता है, तब ऐसे किसी देशभक्त का आवाज़ उठाने वाला जज्बा दिखाई नहीं देता, न किसी सरकारी दफ्तर में इस बात से कोई हलचल मचती है कि उनकी काम करने की सुस्त रफ्तार कैसे आम आदमी को कष्ट देती है। लेकिन हिंदी चौनल उर्दू के शब्द क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं, इस पर फौरन से पेश्तर कार्रवाई हो जाती है। दरअसल मोदी सरकार में इसी तरह प्राथमिकताएं तय हो रही हैं। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों में बाढ़ से तबाही के कारण लाखों जिंदगियां मुश्किल में पड़ गई हैं और प्रधानमंत्री मोदी देश को नागरिक देवो भवरू का नया जुमला सुनाकर बचत उत्सव की खुशियां मनाने कह रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए लोगों के मान–अपमान की परवाह न कर ठाठ से पाकिस्तान के साथ मैच खेला जा रहा है, ताकि अरबों की कमाई होती रही। यानी सरकार ने एक बार नहीं अनेक बार जाहिर कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता क्या है, फिर भी लोग इस मुगालते में पड़े हुए हैं कि मोदी के रहते ही देश विकास करेगा। बहरहाल, ठाणे के श्रीवास्तवजी ने नहीं बताया कि हिंदी और उर्दू को अलग कर उनका प्रतिशत मापने के लिए कौन सा पैमाना उन्होंने इस्तेमाल किया और न ही सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। बल्कि 9 सितंबर, 2025 को दर्ज शिकायत के आधार पर मंत्रालय ने 18 सितंबर 2025 को बाकायदा नोटिस भी जारी कर दिया। शिकायतकर्ता श्रीवास्तव ने दावा किया कि ये चौनल हिंदी न्यूज़ चौनल होने का दावा करते हैं लेकिन अपनी रोजाना की टिप्पणियों में अन्य भाषाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो जनता के साथ धोखाधड़ी और आपराधिक त्य है। उन्होंने मांग की कि इन चौनलों को भाषा विशेषज्ञ नियुक्त करने और अपनी वेबसाइट पर भाषा विशेषज्ञ का प्रमाणपत्र साझा करने का निर्देश दिया जाए। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अवर सचिव नवनीत कुमार ने पांचों चौनलों को अलग–अलग पत्र भेजे, जिसमें बताया गया कि उनके खिलाफ कथित तौर पर गलत हिंदी के इस्तेमाल की शिकायत मिली है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि शिकायत के आलोक में चौनलों के खिलाफ़ केबल टेलीविज़न नेटवर्क (संशोधन) नियम के अनुसार आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। चौनलों को पंद्रह दिनों के भीतर शिकायत पर लिए गए निर्णय की सूचना मंत्रालय और शिकायतकर्ता को देने का आदेश दिया गया है। कायदे से चौनलों को नोटिस जारी करने से पहले मंत्रालय को शिकायतकर्ता से पूछना चाहिए था कि कौन से कानून में अलग–अलग भाषाओं का एक साथ इस्तेमाल आपराधिक त्य अथवा धोखाधड़ी है। ऐसी बेतुकी शिकायतों को सरकार न सुने या उन पर कड़ी फटकार लगाए कि सरकार का वक्त बर्बाद किया जा रहा है, तो बात वही खत्म हो जाए। लेकिन इस तरह का नोटिस जारी कर तो सरकार ने बे सिर पैर की बातें करने वालों को प्रोत्साहन ही दिया है। आज उर्दू के इस्तेमाल पर आपत्ति आई है, कल को पुलाव या बिरयानी खाने पर भी ऐतराज हो जाएगा। कुल मिलाकर ऐसी बेवकूफियों का कोई अंत ही नहीं है और इनसे निपटने का एक ही तरीका है कि इन पर ध्यान न दिया जाए। लेकिन फिलहाल तो गोडसे की विचारधारा को आगे बढ़ाया जा रहा है। गोडसे गांधी द्वारा उर्दू या शहिंदुस्तानीश को बढ़ावा देने से नाखुश था, इसे वह हिंदुओं के साथ विश्वासघात मानता था। अदालत में भी गोडसे ने कहा था कि गांधी जी ने मुस्लिमों को खुश करने के लिए हिंदी भाषा और हिंदुस्तान के दो टुकड़े कर दिए। आज इसी पागलपन को सरकार फिर से बढ़ावा दे रही है।

स्पिरिट-कल्कि आउट होते ही दीपिका पादुकोण के हाथ लगा जैकपट 9 साल बाद विन डीज़ल संग करेंगी हलीवुड फिल्म

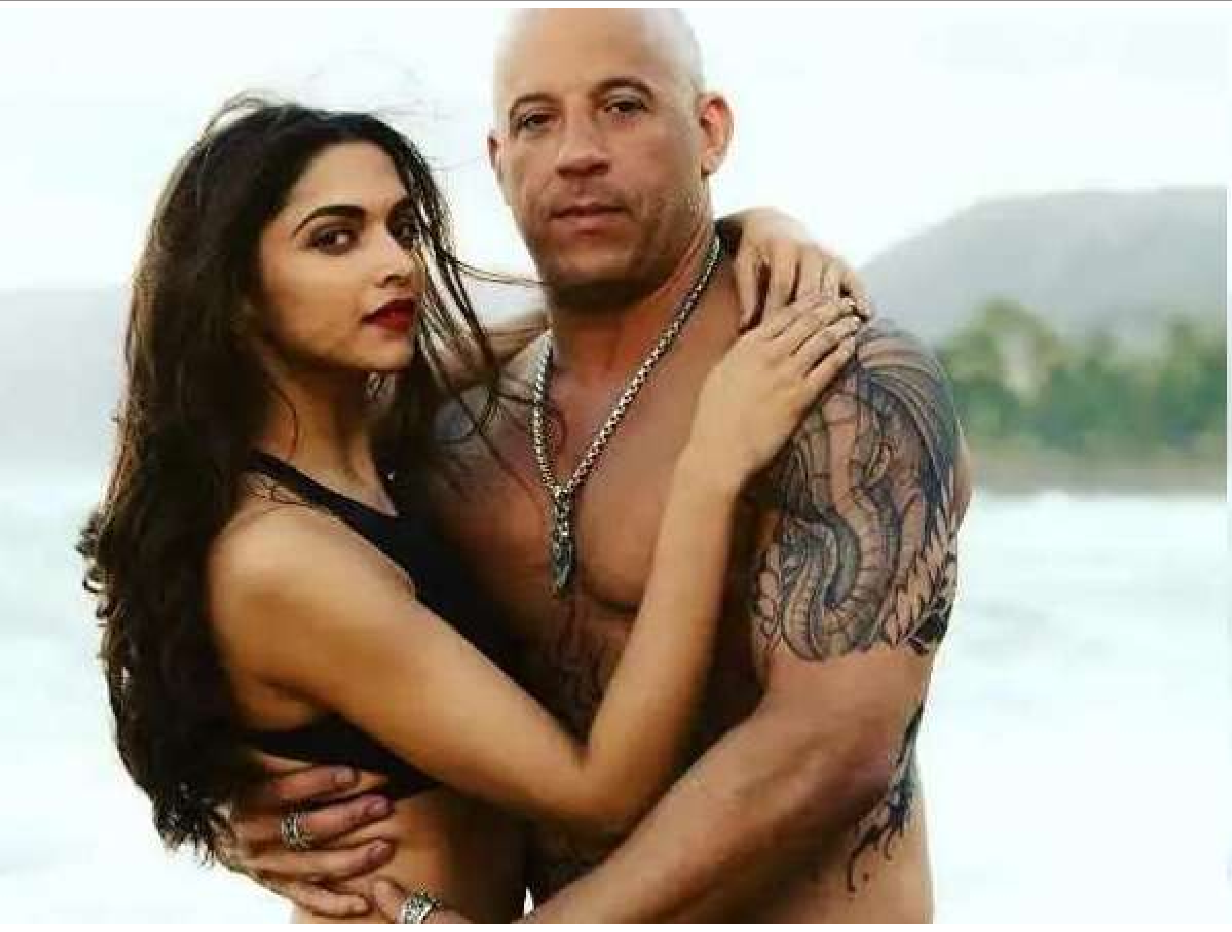

> हॉलीवुड स्टार विन डीज़ल ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है जिसे देखकर फैंस मान रहे हैं कि इसमें दीपिका होंगी। उन्होंने पोस्ट में लिखा-शेयर करने के लिए बहुत कुछ है,ऐसी आइकॉनिक कहानियां जो किसी गहरे एहसास से जुड़ी हैं। एक ग्लोबल ऑडियंस जो सचमुच इस कलाकार के जीवन का आशीर्वाद रहा है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को हाल ही में श्कल्कि 2898 एडीश के सीक्वेल से बाहर कर दिया। दीपिका पादुकोण की बढ़ती डिमांड के चलते उन्हें प्रभास की फिल्म स्पिरिट से संदीप रेड्डी वांगा ने बाहर कर दिया था। इस खबर ने हर सुनने वालों को काफी हैरान किया था। अब पिछले दिनों दीपिका के कल्कि 2898 एडी से बाहर होने की खबर ने भी सबको हक्का-बक्का कर दिया। ये खबर प्रोडक्शन हाउस ने खुद शेयर की थी। वहीं अब फिल्म से बाहर होते ही दीपिका के हाथ जैकपट हाथ लग गया। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका को हलीवुड फिल्म मिलने की खबर है। माना जा रहा है कि दीपिका की ये अगली हॉलीवुड फिल्म विन डीज़ल के साथ हो सकती है। माना जा रहा है कि दीपिका हलीवुड में करीब 9 साल बाद वापसी करने जा रही हैं। चर्चा है कि वो विन डीज़ल के साथ 'XXX' फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म कर सकती हैं। दरअसल, हॉलीवुड स्टार विन डीज़ल ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है जिसे देखकर फैंस मान रहे हैं कि इसमें दीपिका होंगी। उन्होंने पोस्ट में लिखा-शेयर करने के लिए बहुत कुछ है,ऐसी आइकॉनिक कहानियां जो किसी गहरे एहसास से जुड़ी हैं। एक ग्लोबल ऑडियंस जो सचमुच इस कलाकार के जीवन का आशीर्वाद रहा है। आर्बर किंग में ग्रूट की वापसी, वो कुख्यात न्यूयर्क जासूस, कौल्डर्स ओथ, मुंबई में जेंडर का अगला साहसिक काम, लसएंजिल्स में स्ट्रीट रेसर्स का फिर से मिलना। हालांकि, इसे लेकर दीपिका या विन डीजल ने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है। गौरतलब है कि दीपिका पादुकोण इससे पहले विन डीजल के साथ साल 2017 मेंहॉलीवुड फिल्म XXX: Return of Xander Cage में नजर आई थीं। इस फिल्म से उन्होंने हलीवुड में डेब्यू किया था।

नीसा ने संभाला नानी का हाथ, काजोल बनी चर्चा का विषय

बलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री काजोल हाल ही में अपनी मां तनुजा और बेटी नीसा देवगन के साथ मुंबई में बाहर निकलीं, जहां उनकी यह मुलाकात मीडिया और फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई। सफेद कपड़ों में सजी तीनों महिलाओं की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें नीसा की नानी तनुजा की देखभाल करते हुए दिखाई दे रही हैं। वहीं, काजोल के व्यवहार को लेकर कई आलोचनाएं भी सामने आई हैं। वीडियो में देखा गया कि जब काजोल अपनी मां तनुजा के साथ हाथ में हाथ डाले चल रही थीं, तब नीसा उनकी दूसरी ओर से समर्थन करते हुए नानी का हाथ पकड़े हुए थीं और धीरे-धीरे कार की ओर ले जा रही थीं। नीसा की यह देखभाल फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स के बीच खूब सराही गई। उनके संस्कारों और आदरभाव को कई लोगों ने तारीफों के काबिल बताया। हालांकि, मीडिया के सामने काजोल का व्यवहार उतना पसंद नहीं किया गया। जब पपराजी उनकी कार के पास आकर रास्ता रोकने लगे, तो काजोल ने फोटोग्राफरों से संयम और दूरी बनाए रखने को कहा। लेकिन उनके बोलने का अंदाज कुछ लोगों को कठोर और घमंडी लगा। काजोल के गुस्से भरे लहजे को लेकर सोशल मीडिया पर कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

प्राइम वीडियो ने की कन्नप्पा के हिंदी स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा

मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित, कन्नप्पा मोहन बाबू द्वारा निर्मित है और इसमें विष्णु मांचू मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल भी प्रमुख भूमिका में हैं। भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन स्थल, प्राइम वीडियो ने आज विष्णु मांचू अभिनीत फिल्म ष्कन्नप्पाष के एक्सक्लूसिव हिंदी स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की है, जिसमें मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार और

काजल अग्रवाल ने भी कैमियो किया है। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित और मोहन बाबू द्वारा निर्मित, इस बहुप्रतीक्षित तेलुगु फंतासी फिल्म का हिंदी डब अब भारत में प्राइम वीडियो पर तमिल, मलयालम और कन्नड़ के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक पौराणिक एक्शन ड्रामा, कन्नप्पा, थिन्नाडु (विष्णु मांचू) की असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का वर्णन करता है, जो एक निडर आदिवासी योद्धा और कट्टर नास्तिक है। शुरुआत में सभी धार्मिक रीति-रिवाजों और मान्यताओं को अस्वीकार करने वाले, उसके जीवन में एक अप्रत्याशित और गहरा मोड़ आता है जब उसका सामना भगवान शिव के एक रूप, वायु लिंग से होता है, जिससे वह शिव के सबसे समर्पित अनुयायियों में से एक बन जाता है। अपनी मनोरंजक कहानी, जानदार अभिनय और हाई-प्रोफाइल कैमियो के साथ, कन्नप्पा सभी उम्र के दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होने का वादा करती है।

शाहबानो बेगम मामले की सच्ची घटनाओं से प्रेरित हक का जबरदस्त टीजर रिलीज

जंगली पिक्चर्स ने इनसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज के साथ मिलकर अपनी नई फिल्म हक' की घोषणा की है। यह एक दमदार ड्रामा है, जो मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम मामले में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित है। फिल्म में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं, और इसका निर्देशन सुपर्ण एस. वर्मा ने किया है। यह फिल्म पर्सनलल और सेक्युलरल के बीच की बहस को सामने लाती है। हक", जिग्ना वोरा द्वारा लिखित बानो भारत की बेटी नामक किताब पर आधारित एक काल्पनिक और नाटकीय कहानी है। शाह बानो बेगम 80 के दशक में पुरुष प्रधान समाज में अपने स्वाभिमान और हक के लिए लड़ी। चार दशक से भी पहले शुरू हुई यह बहस आज भी हमारे समाज में प्रासंगिक हैरु क्या न्याय का अवसर सभी के लिए समान नहीं होना चाहिए? क्या अब एक राष्ट्र, एक कानून का समय आ गया है? हम व्यक्तिगत आस्था और धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच की रेखा कहाँ खींचते हैं? क्या समान नागरिक संहिता होनी चाहिए? जंगली पिक्चर्स हमेशा ऐसी फिल्में बनाता है जो कुछ अलग होती हैं और समाज के नियमों को चुनौती देती हैं। इनकी फिल्मों में बेबाकी और साहस होता है. राज़ी तलवार और बधाई दो जैसी शानदार फिल्में बनाने के बाद, यह स्टूडियो एक और दिलचस्प और दमदार कहानी लेकर आया है, जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। हक फिल्म यामी गौतम धर के लिए आर्टिकल 370 में उनके शानदार परफर्मेंस के बाद, सिनेमा में उनकी अगली बड़ी दस्तक है। हक में, वह एक ऐसी प्रेरणादायक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं जो अन्याय के सामने झुकने से इनकार करती है। गलत तरीके से छोड़ी और बेसहारा की गई, वह अपने और अपने बच्चों के लिए धारा 125 के तहत अपने हक की मांग करते हुए कोर्ट में एक बड़ी लड़ाई लड़ती है। यामी गौतम धर और इमरान हाशमी इस फिल्म में पहली बार साथ आए हैं। इसमें इमरान हाशमी एक बेहद समझदार और जाने-माने वकील की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि यामी एक ऐसी लड़ाई का नेतृत्व कर रही हैं, जो समाज को यह सोचने पर मजबूर करती है कि वे किस तरफ हैं। हक' एक प्रेम कहानी के रूप में शुरु होती है और पति-पत्नी के बीच एक निजी विवाद से बढ़कर एक भड़काऊ विषय पर बहस बन जाती है, जो आज भी एक समाधान की मांग करता है। यह एक कोर्टरूम बैटल है, जो आस्था, पहचान, उदारवाद, व्यक्तिगत विश्वास और अंततः नीति और कानूनकृयानी समान नागरिक संहिता, अनुच्छेद 44 के तहतकृके बड़े सवालों को उजागर करता है। एक मां का सच्चा और अडिग साहस ही हक की असली जान है। यह एक बेहद रोमांचक और अप्रत्याशित फिल्म है, जो कई चौंकाने वाले मोड़ों, भावनाओं और ड्रामा से भरी हुई है। हक 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आज के सबसे शानदार निर्देशकों में से एक, सुपर्ण एस. वर्मा (सिर्फ एक बंदा काफी है, द फैमिली मैन, राणा नायडू) ने इसका निर्देशन किया है, जबकि रेशु नाथ ने इसे लिखा है। फिल्म की बेहतरीन कलाकारों की सूची में शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टांगड़ी जैसे मंजे हुए कलाकार भी शामिल हैं।फिल्म का टीज़र आज जारी हो गया है।

'मेरे अब्बा! आप हमेशा मेरे दिल में, सोहा-सबा पटौदी ने पिता मंसूर को पुण्यतिथि पर किया याद

सोहा अली खान और सबा पटौदी ने अपने दिवंगत पिता, भारतीय क्रिकेट के दिग्गज मंसूर अली खान पटौदी को उनकी पुण्यतिथि पर भावुक श्रद्धांजलि दी। दोनों बहनों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर टाइगर पटौदी के प्रति असीम प्रेम व्यक्त किया, जिसने बॉलीवुड और क्रिकेट जगत में प्रशंसकों का दिल छू लिया।

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान और ज्वेलरी डिजाइनर सबा पटौदी ने अपने दिवंगत पिता, क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए अपने सोशल मीडिया मंच पर तस्वीरों की एक शृंखला साझा की। मंसूर का 70 वर्ष की आयु में फेफड़ों के संक्रमण के कारण 22 सितम्बर 2011 को निधन हो गया था। सोहा ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस फोटो में उनके दिवंगत पिता की एक फोटो फ्रेम थी, जिसके पास मोमबत्तियां रखी हुई थी।

उनकी तस्वीर में एक नोट भी था, जिसमें लिखा था, मिस्टर टाइगर के लिए। हैप्पी बरसी! मैं आपसे प्यार करती हूं! आप बहुत मजेदार, खुशमिजाज, मस्त-मौला और बड़े दिल वाले हैं! उनकी पोस्ट का कैप्शन था, आज और हमेशा। मेरे अब्बा। टाइगर पटौदी के नाम से मशहूर, वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे और उन्हें 2001 में सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी मिला था, जो बीसीसीआई द्वारा किसी पूर्व खिलाड़ी को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

सबा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, मेरे दिल में हमेशा और हमेशा के लिए। आज मैं आपको याद कर रही हूं और यकीन नहीं कर पा रही हूं कि इतने साल बीत गए। मैं महसूस कर सकती हूं कि आप मुझे देख रहे हैं, मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी रक्षा कर रहे हैं।

टाइगर के नाम से मशहूर मंसूर का 22 सितंबर, 2011 को फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से निधन हो गया। 70 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। 21 वर्ष की आयु में वे भारतीय टीम के सबसे युवा कप्तान थे। उनके पिता, भोपाल के नवाब, इफ्तिखार अली खान पटौदी भी एक प्रसिद्ध क्रिकेटर थे। 1966 में, मंसूर ने शर्मिला टैगोर से शादी की। उनके तीन बच्चे हैं – सैफ अली खान, सबा अली खान और सोहा अली खान।

फलों की बात करें तो पपीता भी आपके शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। यह पेट के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद माना जाता है जिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या रहती है, उन्हें खाली पपीता खाना चाहिए। पपीता में पोटेशियम और फाइबर भरपूर होते हैं, जो दिल के लिए बढ़िया है। इसमें विटामिन के, कैल्शियम और फास्फोरस होता हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाता हैं। विटामिन सी इम्यूनिटी को स्ट्रांग करता है। चलिए आपको पपीता के फायदे ही बताते हैं। एक बार जब आप पपीते के इतने फायदे जानेंगे तो पपीता नहीं खाते तो खाना शुरू कर देंगे।

कैंसर से बचाव

पपीता में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है और आंतरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। फाइबर युक्त आहार कैंसर के कुछ रूपों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। पपीते में मौजूद बीटा–कैरोटीन एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है। विटामिन ए के साथ–साथ, बीटा–कैरोटीन कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन ठीक और इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग

पपीते में पपाइन नामक एंजाइम होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करता है और प्रोटीन को आसानी से पचाने में सहायक होता है। पपीते में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को

मजबूत करता है और शरीर को संक्रमण से बचाता है।

त्वचा के लिए बहुत अच्छा

पपीते में विटामिन सी, ई, ए और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो त्वचा को निखारते हैं और झुर्रियों को जल्दी नहीं आने देते। पपीते का होममेड पैक बनाकर भी लगाया जा सकता है। अगर आपके चेहरे पर पुराने कील मुंहासे हैं तो उससे भी राहत मिलेगी, साथ ही पपीता आपके स्किन को साफ और चमकदार बनाने का काम भी करेगा।

वजन कंट्रोल

पपीता कैलोरी में कम और फाइबर में अधिक होता है, जो वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है। वजन कम ना होने की एक वजह पेट से जुड़ी दिक्कतें भी हैं। पपीता पेट साफ रखता है जिससे वजन घटाने

में मदद मिलती है।

आंखों की सेहत

पपीते में विटामिन ए और कैरोटेनॉयड्स होते हैं जो आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं और दृष्टि में सुधार कर सकते हैं।

हड्डियों के लिए अच्छा

इसमें विटामिन के, कैल्शियम, और फास्फोरस होता है जो हड्डियों की मजबूती के लिए लाभकारी है।

याद रखें ये बातें

पपीता खाने के वैसे तो फायदे ही फायदे हैं लेकिन गर्भवती महिला को पपीता खाने की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि इससे पेट से जुड़ी दिक्कत हो सकती हैं जिससे गर्भपात भी हो सकता है। पपीते को खाने का सही समय दिन का है अगर पेट से जुड़ी दिक्कत रहती हैं तो खाली पेट पपीता खाया जा सकता है लेकिन अगर आपको दस्त जैसी समस्या है तो कुछ दिन पपीता खाना अवॉइड करें।

डेंगू ने एक बार फिर पूरे देश को डरा दिया है। डेंगू एक आम तरह का वायरल इंफेक्शन है, जो एडीज इजिप्टी मच्छरों द्वारा फैलता है। यह बीमारी गंभीर हो सकती है, और इसके लक्षण पहचानना और सही समय पर इलाज करना जरूरी है। इसके अलावा, कुछ देसी नुस्खे भी हैं जो डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। आइए विस्तार से जाने।

डेंगू के लक्षण

डेंगू के लक्षण मच्छर के काटने के 4–10 दिनों बाद दिखने लगते हैं। मुख्य लक्षण इस प्रकार हैं

–अचानक से तेज बुखार होना जो 104□॰ (40□ॆ) तक पहुंच सकता है।

–सिरदर्द, खासकर माथे के हिस्से में बहुत तेज दर्द होता है।

–आंखों के पीछे दर्द होना, जो देखने या आंखें हिलाने पर बढ़ता है।

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, इस कारण इसे ष्ब्रेकबोन फीवरष भी कहा जाता है।

– शरीर में बहुत अधिक थकावट और कमजोरी महसूस होना।

–लाल–गुलाबी रंग के छोटे दाने शरीर पर दिखाई देने।

–कुछ लोगों को मतली और उल्टी की समस्या भी होती है।

– लिम्फ नोड्स में सूजन आ सकती है।

–डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से कम होती है, जिससे खून का बहाव हो सकता है।

डेंगू किस तरह फैलता है

डेंगू वायरस मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन के समय, खासकर सुबह और शाम के दौरान ज्यादा सक्रिय होते हैं। एक बार मच्छर संक्रमित व्यक्ति को काट ले, तो वह मच्छर वायरस को अन्य लोगों में फैलाने लगता है। डेंगू एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे नहीं फैलता, बल्कि मच्छर के माध्यम से फैलता है।

डेंगू के लिए देसी नुस्खे

डेंगू का कोई विशेष एंटीवायरल इलाज नहीं है, लेकिन कुछ देसी उपाय डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं और रिकवरी में सहायक हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये नुस्खे मेडिकल इलाज का विकल्प नहीं हैं, बल्कि इसके साथ ही इन्हें इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

पपीते के पत्तों का रस

पपीते के पत्तों का रस डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाने में मदद करता है। ताजे पपीते के पत्तों को धोकर उनका रस निकालें और रोजाना 2–3 चम्मच लें। इसे दिन में 2 बार लें।

गिलोय का रस

गिलोय एक प्राकृतिक प्रतिरक्षा बढ़ाने वाला औषधि है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर डेंगू से लड़ने में मदद करता है। गिलोय के तने का रस निकालकर पीएं। आप इसे रोजाना सुबह–शाम 2–3 चम्मच ले सकते हैं।

नीम का रस

नीम का रस खून की सफाई करता है और डेंगू के वायरस से लड़ने में मदद करता है। नीम के ताजे पत्तों का रस निकालकर पीएं या इसे गर्म पानी के साथ लिया जा सकता है।

काली मिर्च और हल्दी

हल्दी और काली मिर्च में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–वायरल गुण होते हैं, जो डेंगू के संक्रमण से लड़ने में मदद कर सकते हैं।1 गिलास गर्म दूध में 1ध्2 चम्मच हल्दी और 1 चुटकी काली मिर्च मिलाकर पीएं। दिन में 1–2 बार इसे लें।

तुलसी और अदरक का काढ़ा

तुलसी में एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, और अदरक डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। 5–7 तुलसी के पत्ते और 1ध्2 इंच अदरक को 2 कप पानी में उबालें। इसे छानकर दिन में 2 बार पीएं।

मेथी के बीज

मेथी के बीज बुखार को कम करने में मदद करते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालते हैं। मेथी के बीजों को रातभर पानी में भिगो दें और सुबह उसका पानी पीएं। आप मेथी की पत्तियों का भी सेवन कर सकते हैं।

बचाव के अन्य उपाय

– मच्छरदानी का उपयोग करें और मच्छर भगाने वाली क्रीम लगाएं।

– बर्तन, गमले, या किसी भी खुले स्थान पर पानी जमा न होने दें, क्योंकि ये मच्छरों के पनपने का स्थान हो सकता है।

–घर से बाहर जाते समय पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

–घर में नीम, तुलसी, और लेमनग्रास के पौधे लगाएं, जो मच्छरों को दूर रखते हैं।

नोटः देसी नुस्खे डेंगू से उबरने में मदद कर सकते हैं, लेकिन सही मेडिकल सलाह लेना आवश्यक है।

आज के समय में खराब लाइफस्टाइल और बढ़ते हुए प्रदूषण के चलते बालों की शाइन गायब हो चुकी है। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों की खोईं शाइन को वापिस लेकर आना चाहते हैं तो आपके किचन में रखा स्टार ऐनीज मसाला का प्रयोग जरुर करें। यह स्कैल्प को निखारकर बालों की स्थिति में सुधार करता है।

खराब जीवनशैली और बढ़ते हुए प्रदूषण की वजह से आज के समय में बालों की चमक गायब हो गई है। जिसे वजह से बाल भी बुरे दिखने लगते है। खूबसूरत बाल दिखने में अच्छे लगते हैं वल्कि आपके चेहरे की सुंदरता को भी बनाएं रखता है। कई बार बालों केमिकल ट्रीटमेंट करवाने की वजह से ज्यादातर लोग हेयर फॉल, ड्राई हेयर होने लगते हैं। अगर आपके बालों की भी शाइन चली गई है तो आप हेयर ग्रोथ को अच्छा करना चाहते हैं तो आपके किचन में रखा यह चमत्कारिक मसाला आपके बालों में काफी मदद कर सकता है। इसे मसाले का नाम चक्रफूल है। आइए जानते हैं कैसे चक्रफूल का इस्तेमाल करें।

चक्रफूल का तेल बनाएं

चक्रफूल का तेल बनाने के लिए सबसे पहले आप नारियल या जैतून का तेल गर्म करें। अब इस तेल में चक्रफूल डालकर तेल की धीमी आंच पर 2 घंटे तक उबलने दें, जिससे स्टार ऐनीज के गुण तेल में आ जाएं। इसके बाद तेल को ठंडा होने दें और फिर छानकर किसी कांच के कंटेनर या डिब्बे में रख दें। आप इस तेल की मालिश करेंगे तो बालों की ग्रोथ बढ़ेगी।

चक्रफूल का पानी

बालों को खूबसूरत और चमदार बनाने के लिए आप चक्रफूल का पानी भी प्रयोग कर सकते हैं। सबसे पहले आप चक्रफूल को गर्म पानी में उबालकर ठंडा होने के लिए रख दें। फिर आप बालों में शैम्पू लगाने के बाद इस पानी से धो लें। चक्रफूल में पाए जाने वाले गुण बालों को खुशबूदार बनाने के अलावा पोषण और मजबूती भी देने में सहायक है।

स्टार ऐनीज का ऑयल मास्क

इस मास्क को बनाने के लिए आप पिसी हुई स्टार ऐनीज को जैतून में मिला लें। बालों को माइल्ड शैम्पू से धोने से पहले आप इस तेल को बालों को 30 मिनट तक लगाकर रखें।

महिलाओं में क्यों बढ़ रहा है जोड़ों का दर्द? जानें कारण और इलाज

जोड़ों का दर्द यानी ओस्टियोआर्थराइटिस को अक्सर लोग उम्र बढ़ने से जोड़कर देखते हैं। लेकिन अब यह समस्या सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह बीमारी महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से फैल रही है। खासकर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में इसके केस बढ़ जाते हैं।

महिलाओं में जोड़ों के दर्द का कारण

मेनोपज के बाद महिलाओं में हार्मोनल बदलाव शुरू हो जाते हैं। इस दौरान शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर गिरने लगता है, जो हड्डियों और जोड़ की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। महिलाओं की मांसपेशियां पुरुषों की तुलना में कमजोर होती हैं और उनके जोड़ अधिक लचीले होते हैं। इसी वजह से हड्डियों और कार्टिलेज पर दबाव ज्यादा पड़ता है। इसके कारण ओस्टियोआर्थराइटिस का खतरा महिलाओं में पुरुषों से कहीं ज्यादा होता है।

मेनोपज और मोटापे का असर

मेनोपज के बाद कई महिलाओं में वजन बढ़ने लगता है। शरीर का यह अतिरिक्त बोझ सीधे घुटनों और हिप जॉइंट्स पर दबाव डालता है। धीरे–धीरे यह दबाव हड्डियों को कमजोर करता है और जोड़ों में दर्द बढ़ाने लगता है।इसके अलावा, परिवार में अगर पहले से किसी को ओस्टियोआर्थराइटिस की समस्या रही है, तो आनुवांशिक कारण भी महिलाओं में इसे बढ़ा सकते हैं।

महिलाओं में जोड़ों की समस्या के लक्षण

ओस्टियोआर्थराइटिस धीरे–धीरे बढ़ने वाली समस्या है। इसके शुरुआती लक्षण अक्सर हल्के होते हैं, लेकिन समय पर ध्यान न देने से यह गंभीर हो सकती है।

जोड़ों में लगातार दर्द रहना, उठते–बैठते समय अकड़न महसूस होना, घुटनों और कूल्हों में सूजन आना। सुबह के समय जोड़ कठोर महसूस होना रोजमर्रा के काम जैसे चलना, सीढ़ियां चढ़ना मुश्किल होना। जब स्थिति बिगड़ जाती है, तो चलना–फिरना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है और क्वालिटी अफ लाइफ पर असर पड़ता है।

बचाव के तरीके

जोड़ों का दर्द पूरी तरह रोका तो नहीं जा सकता, लेकिन कुछ आदतें अपनाकर इसे काफी हद तक कम किया जा सकता है। वजन कंट्रोल रखें वजन ज्यादा होने पर घुटनों और हिप जॉइंट्स पर दबाव बढ़ता है। वजन नियंत्रित रहने से जोड़ों पर बोझ कम पड़ता है। नियमित व्यायाम करें पैदल चलना, स्विमिंग और साइकलिंग जैसी हल्की एक्सरसाइज जोड़ को लचीला बनाए रखती हैं और मांसपेशियों को मजबूत करती हैं। संतुलित आहार लें डाइट में ओमेगा–3 फैटी एसिड, कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर चीजें शामिल करें। दूध, दही, पनीर, मछली और हरी पत्तेदार सब्जियां इसके अच्छे स्रोत हैं। जंक फूड से दूरी बनाएं प्रोसेस्ड फूड और ज्यादा शुगर हड्डियों को कमजोर करती है। सही पॉश्चर अपनाएं बैठने और खड़े होने के तरीके पर ध्यान दें। लंबे समय तक एक ही पोजीशन में न बैठें और एर्गोनोमिक सपोर्ट का इस्तेमाल करें। योग और तनाव कम करें योगासन और प्राणायाम जोड़ों को लचीला बनाते हैं। तनाव कम करने से भी शरीर पर सकारात्मक असर पड़ता है।

महिलाओं में जोड़ों के दर्द का इलाज

ओस्टियोआर्थराइटिस का फिलहाल कोई स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन सही उपचार से दर्द और परेशानी को कम किया जा सकता है।

फिजियोथेरेपी और स्ट्रेचिंगःदृ जोड़ों को लचीला बनाते हैं और दर्द कम करते हैं।

गर्म और ठंडे पैकःदृ सूजन और अकड़न से राहत देते हैं।

दवाइयों का उपयोगःदृ डक्टर की सलाह पर एफएसएआईडी, टपिकल एंटी–इन्फ्लेमेटरी जेल और एनाल्जेसिक दवाइयों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

इंजेक्शन थेरेपीः गंभीर मामलों में कोर्टिकोस्टेरॉइड या ह्यलुरोनिक एसिड के इंजेक्शन राहत पहुंचा सकते हैं।

महिलाओं में जोड़ों का दर्द तेजी से बढ़ता जा रहा है। समय रहते अगर लक्षण पहचानकर लाइफस्टाइल में बदलाव किए जाएं, तो इस बीमारी से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और वजन नियंत्रण महिलाओं को लंबे समय तक एक्टिव और हेल्दी बनाए रख सकते हैं।

संक्षिप्त

हिंडनबर्ग रिपोर्ट सिर्फ हमारे ग्रुप पर हमला नहीं, सेबी से क्लीन चिट मिलने के बाद गौतम अडानी ने पहली बार किया बड़ा दावा

गौतम अडानी ने बुधवार को कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने सिर्फ अडानी समूह को ही नहीं, बल्कि पूरे भारत इंक को निशाना बनाया है। बंदरगाहों से लेकर बिजली तक का कारोबार करने वाले इस अरबपति समूह के संस्थापक ने बुधवार को शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कहा यह रिपोर्ट सिर्फ़ आपके अडानी समूह की आलोचना नहीं थी। यह वैश्विक स्तर पर सपने देखने के भारतीय उद्यमों के साहस को सीधी चुनौती थी। आपके अदानी समूह के लिए, यह एक ऐसे परीक्षण की शुरुआत थी जिसने हमारी क्षमता के हर आयाम को प्रभावित किया। इसने हमारे शासन, हमारे उद्देश्य और यहाँ तक कि इस विचार पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया कि भारतीय कंपनियाँ पैमाने और महत्वाकांक्षा के मामले में दुनिया का नेतृत्व करने का साहस कर सकती हैं। सेबी के स्पष्ट और अंतिम वचन के साथ, सत्य की जीत हुई है, या जैसा कि हम हमेशा कहते आए हैं, श्सत्यमेव जयतेश (सत्य की ही जीत होगी)। जिसका उद्देश्य हमें कमज़ोर करना था, उसने हमारी नींव को और मज़बूत कर दिया है। समूह के चेयरमैन अडानी ने इसे 'लक्षित एवं बहुआयामी हमला' बताने के साथ वैश्विक समीक्षा के दौर में अपने कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि इस दौर में भी समूह के बंदरगाह, बिजली संयंत्र, हवाई अड्डे, सीमेंट और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं आगे बढ़ती रहीं। अडानी ने कहा कि आपने साबित कर दिया कि दबाव में काम को अंजाम देना ही चरित्र की असली परीक्षा होती है और यह दिखा दिया कि अडानी का चरित्र अटूट है। भविष्य की प्राथमिकताएं बताते हुए अदाणी ने कहा कि ईमानदारी और पारदर्शिता समूह की नींव बनी रहनी चाहिए। उन्होंने ऊर्जा, लॉजिस्टिक और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में तेज नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य निर्माण और कायांतरण पर जोर दिया। अदाणी ने कहा कि हमें आज की तालियों के लिए नहीं बल्कि आने वाले दशकों की विरासत के लिए निर्माण करना है।'' उन्होंने कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए इस अवधि को 'अग्निपरीक्षा' बताते हुए कहा कि हरेक संकट बुनियाद को मजबूत करता है और संकल्पशक्ति को दृढ़ करता है। अदाणी ने कहा कि पिछले तीन साल की अवधि को कर्मचारी एक ऐसी 'चिंगारी' के रूप में याद रखें जो बड़े अदाणी समूह का निर्माण करे। उन्होंने अपने संदेश के आखिर में कहा, हमारी कहानी साहस, संकल्प और मातृभूमि भारत से किए गए वादे की गवाही बने। सत्यमेव जयते, जय हिंद।

रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर 88.80 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.80 पर आ गया। अमेरिका के एच–1बी वीजा शुल्क में भारी वृद्धि और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच घरेलू मुद्रा पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.80 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुरुआती कारोबार में 88.71 प्रति डॉलर पर भी पहुंचा। रुपया मंगलवार को 45 पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 88.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार में रुपया 88.82 प्रति डॉलर पर भी पहुंचा था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.35 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में संसेक्स शुरुआती कारोबार 380.48 अंक फिसलकर 81,721.62 अंक पर और निफ्टी 106.45 अंक की गिरावट के साथ 25,063.05 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत चढ़कर 67.79 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,551.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

क्रेडित कार्ड नहीं है तो क्या हुआ, जल्द ही यूपीआई से की गयी पेमेंट को EMI में बदलवा सकेंगे, लेते रहिये Shopping का मजा

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में जिस तेज़ी से बदली है, उसमें यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) की भूमिका निर्विवाद है। हर माह लगभग 20 अरब लेन–देन और 25–30 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ यूपीआई आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती डिजिटल भुगतान प्रणाली बन चुकी है। अब नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) इसका अगला चरण तैयार कर रहा है। लक्ष्य स्पष्ट है– यूपीआई को केवल भुगतान का माध्यम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण क्रेडिट इकोसिस्टम बनाना। हम आपको बता दें कि रूपे क्रेडिट कार्ड और यूपीआई पर क्रेडिट लाइन जैसी सुविधाओं के बाद अब एनपीसीआई उपभोक्ताओं को यह विकल्प देने की तैयारी कर रहा है कि वे किसी भी यूपीआई भुगतान को तुरंत ईएमआई में बदल सकें। बताया जा रहा है कि अभी फिनटेक कंपनियाँ इस सुविधा पर पूरी तरह तैयार नहीं हैं, लेकिन एनपीसीआई ने प्रोडक्ट गाइडलाइन्स जारी कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, इस सुविधा का अनुभव वैसा ही होगा जैसा दुकानों पर कार्ड स्वाइप करने के बाद भुगतान को किस्तों में बदलने का होता है। हम आपको बता दें कि यह पहल फिनटेक स्टार्टअप्स और बैंकों के लिए बड़ा अवसर लेकर आई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नवी जैसे प्लेटफ़ॉर्म पहले ही यूपीआई पर क्रेडिट सुविधाएँ उपलब्ध कराने में जुटे हैं। कुछ निजी बैंक नवी और पेटीएम जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी कर यूपीआई उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट लाइन देने लगे हैं। देखा जाये तो अब तक बचत खाते से किए गए यूपीआई भुगतानों पर व्यापारियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता था, क्योंकि सरकार ने रूपे डेबिट कार्ड और यूपीआई लेन–देन पर शून्य शुल्क नीति लागू कर रखी है। यही कारण है कि फिनटेक कंपनियों को राजस्व कमाने का सीमित अवसर मिलता था। लेकिन क्रेडिट आधारित लेन–देन इस समस्या का समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं।

हारिस–फरहान की करतूतों पर शाहीन ने तोड़ी चुप्पी, SKY के प्रतिद्वंद्वी वाले बयान पर भी दी प्रतिक्रिया

दुबई। एशिया कप 2025 के सुपर–4 के अंतिम और अहम मुकाबले से पहले पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के आक्रामक जश्न को लेकर चुप्पी तोड़ी। भारत के खिलाफ पिछले मैच में रऊफ के फैन्स की तरफ देखकर उकसाने वाले इशारे और फरहान के श्गन फायरिंगश जैसे सेलिब्रेशन को लेकर सवाल पूछे जाने पर शाहीन ने कहा कि इसको लेकर कोई विशेष रणनीति नहीं थी।

लोग क्या सोचते हैं, वह उनका काम है

शाहीन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इसको लेकर कोई खास तैयारी नहीं की थी। हम हमेशा से आक्रामक खेलते आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और इससे टीम का मनोबल ऊंचा रहता है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान का ध्यान केवल एशिया कप जीतने पर है। शाहीन ने कहा, श्हम यहां एशिया कप जीतने आए हैं। पाकिस्तान के फैन्स को खुश करने के लिए खेल रहे हैं। लोग क्या सोचते हैं, क्या कहते हैं, वह उनका काम है। हमारा काम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना है।

सूर्यकुमार के बयान पर शाहीन की प्रतिक्रिया

हाल ही में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि भारत–पाकिस्तान मुकाबलों को अब प्रतिद्वंद्विता कहना गलत है क्योंकि यह पूरी तरह एकतरफा हो गए हैं। सूर्यकुमार ने 12–3 के हेड–टू–हेड आंकड़े का हवाला देते हुए कहा था कि प्रतिद्वंद्विता वहीं होती है जहां मुकाबला बराबरी का हो। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शाहीन ने कहा, 'यह उनकी राय है, उन्हें कहने दो। जब हम फाइनल में मिलेंगे तो देखेंगे कि क्या होता है..क्या नहीं। तब देख लेंगे। हमारा ध्यान केवल टूर्नामेंट जीतने पर है। यह पूछे जाने पर कि भारत–पाकिस्तान तनाव के कारण क्या चल रहा है। इस पर उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में मुस्कुराते हुए पत्रकार से ही सवाल दाग दिए। उन्होंने कहा, आप बताओ क्या चल रहा है? इस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद लोग हंस पड़े।

बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान का प्लान

पाकिस्तान को एशिया कप फाइनल में जगह बनाने के लिए गुरुवार को बांग्लादेश को हराना जरूरी है। शाहीन ने कहा कि टीम इस मैच को लेकर पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश अच्छी टीम है और हाल के दिनों में अच्छी क्रिकेट खेली है। हमें उन पर शुरुआत से ही दबाव बनाना होगा। हमें पहले ही पंच करना होगा और बढ़त बनानी होगी।

गेंदबाजों की आलोचना पर शाहीन का बचाव

हाल ही में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की आलोचना हो रही है कि वे बड़े मैचों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। इस पर शाहीन ने कहा, श्हम जीत रहे हैं, लेकिन बड़ी टीमों के खिलाफ जीत नहीं पा रहे। ऐसा नहीं है कि हमारे तेज गेंदबाज संघर्ष कर रहे हैं। टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान हो जाता है। हमें गेंदबाजी में और वैरिएशन लानी होगी और हम उस पर काम कर रहे हैं।श

टीम का आत्मविश्वास और शाहीन की जिम्मेदारी

शाहीन ने अपनी व्यक्तिगत भूमिका पर कहा, मेरा काम है जो भी जिम्मेदारी टीम ने दी है उसे पूरा करना। चाहे बैटिंग हो या बॉलिंग, मेरा फोकस टीम का मनोबल ऊंचा रखना और अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ 133 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने में आई मुश्किलों का जिक्र करते हुए कहा, श्टी20 ऐसा फॉर्मेट है जहां हर खिलाड़ी एक साथ परफॉर्म नहीं कर सकता। क्रेडिट हुसैन तलत और मोहम्मद नवाज को जाता है जिन्होंने प्रेशर में मैच संभाला।

फाइनल में भारत से भिड़ंत की उम्मीद

शाहीन ने कहा कि फिलहाल टीम फाइनल के बारे में नहीं सोच रही है लेकिन वहां पहुंचने के बाद भारत से मुकाबला दिलचस्प होगा। उन्होंने कहा, हम अभी फाइनल में नहीं हैं। जब वहां पहुंचेंगे, तब सोचेंगे, लेकिन हमारा लक्ष्य साफ है एशिया कप जीतना।

अश्विन का ऐतिहासिक कदम, बिग बैश लीग में इस टीम से खेलेंगे; कमिंस और डेविड वॉर्नर के साथी बने

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अपने क्रिकेट करियर में एक नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने के बाद अब अश्विन ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (ठठस) में सिडनी थंडर की जर्सी में नजर आने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 39 वर्षीय अश्विन ने सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी से जुड़ने के लिए हरी झंडी दे दी है। फ्रेंचाइजी इस हफ्ते आधिकारिक एलान कर सकती है।

पैट कमिंस–डेविड वॉर्नर के साथ खेलेंगे

अश्विन का यह कदम खास इसलिए भी है क्योंकि वह अब ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर के टीममेट बनेंगे। वॉर्नर सिडनी थंडर के कप्तान भी हैं। सिडनी थंडर के लिए यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है क्योंकि पहली बार कोई बड़ा भारतीय खिलाड़ी बिग बैश लीग में खेलता नजर आएगा।

जनवरी में जुड़ेंगे टीम से

अश्विन ने यूएई में होने वाले आईएलटी20 (ILT20) के लिए भी अपना नाम दर्ज कराया है। यह लीग चार जनवरी को खत्म होगी, जिसके बाद अश्विन बिग बैश के आखिरी हाफ (दूसरे हिस्से) में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे। बिग बैश लीग टूर्नामेंट 14 दिसंबर से 18 जनवरी तक खेला जाएगा।

बीसीसीआई के नियम और छूट

बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक कोई भी सक्रिय भारतीय खिलाड़ी विदेशी लीग में तब तक नहीं खेल सकता जब तक वह टीम इंडिया या आईपीएल में सक्रिय हो। अश्विन ने पिछले महीने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा की थी, जिसके बाद वे फ्री एजेंट बन गए और विदेशी लीग में खेलने का रास्ता साफ हो गया। चूंकि अश्विन ने इस साल का बिग बैश लीग का ओवरसीज ड्राफ्ट नहीं भरा था, इसलिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उन्हें खेलने के लिए स्पेशल एक्सेम्प्शन देनी होगी। ठीक वैसे ही जैसे 2022 में मार्टिन गप्टिल को मेलबर्न रेनेगेड्स से जोड़ने के लिए लास्ट–मिनट अप्रूवल दी गई थी।

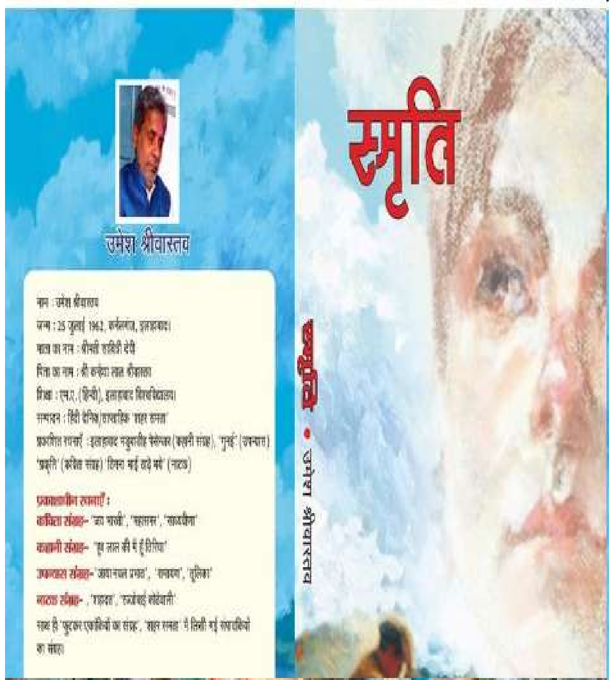

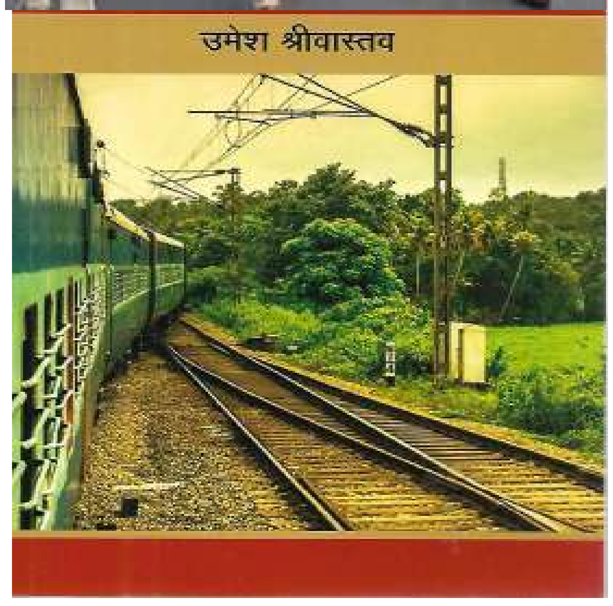

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

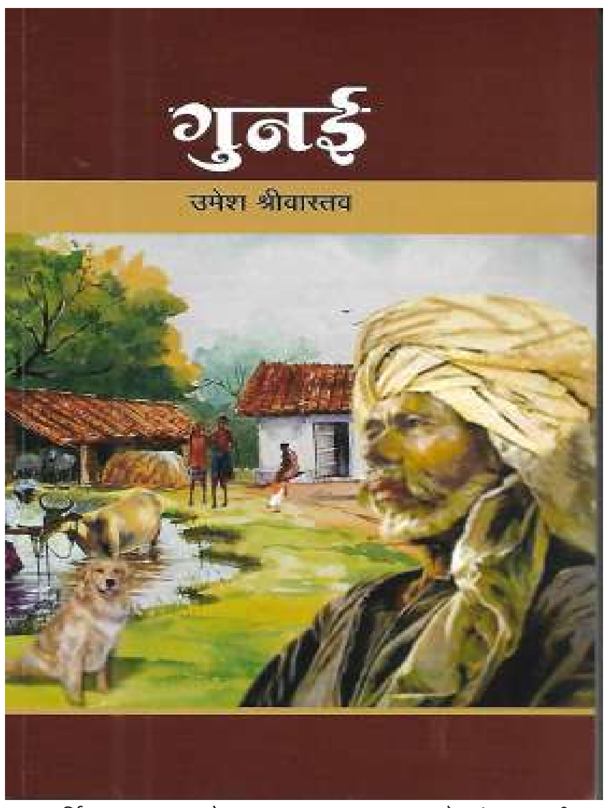

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

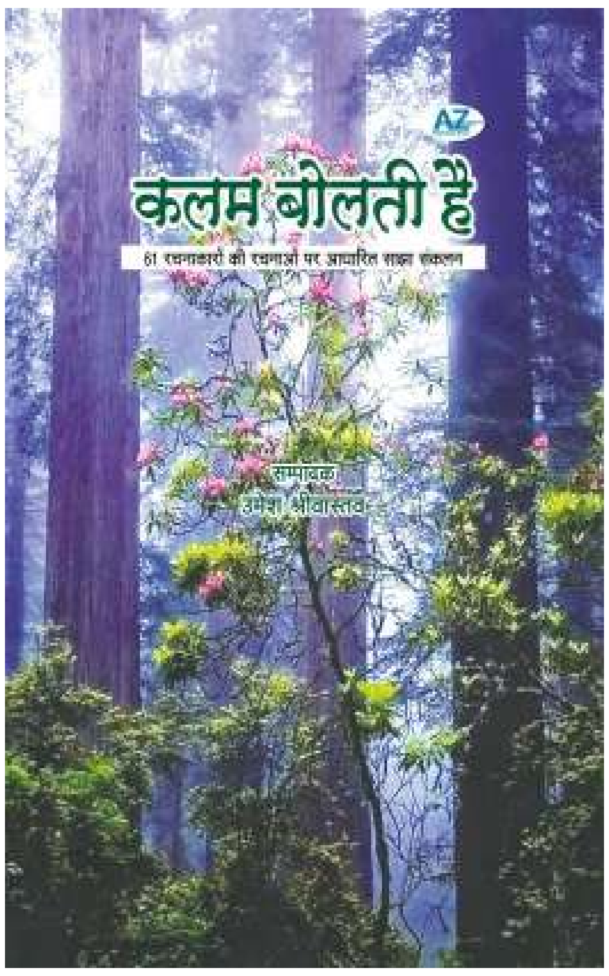

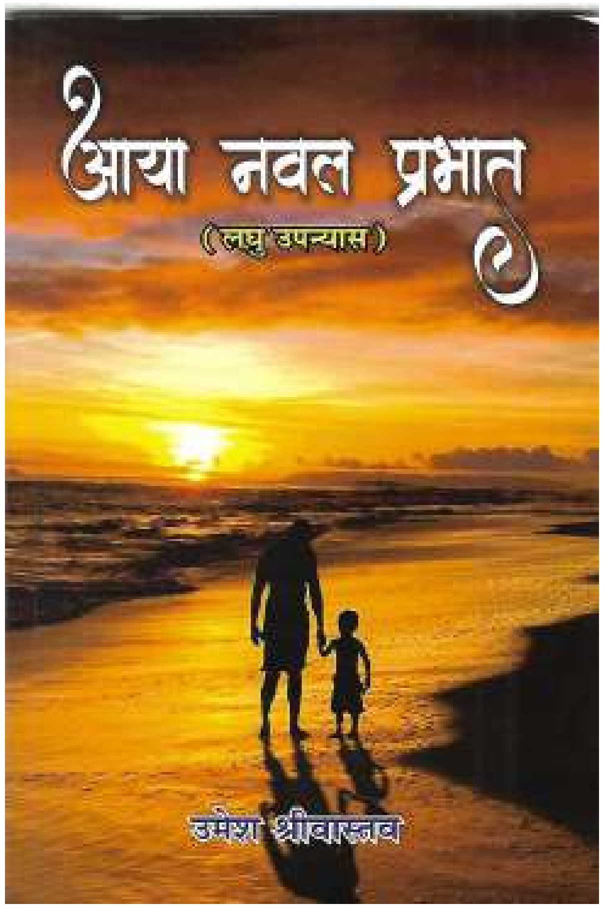

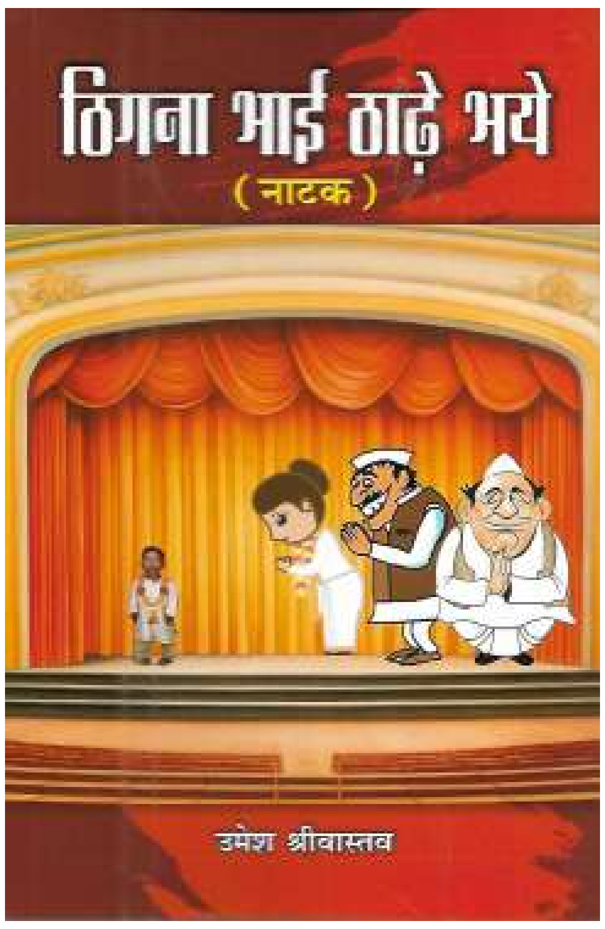

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नाटो की मदद से यूक्रेन अपने मूल स्वरूप को वापस पाने की स्थिति में : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन रूस के कब्जे में गए सभी क्षेत्रों को वापस हासिल कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के तुरंत बाद ट्रंप ने सोशल

मीडिया पर एक पोस्ट में अपना रुख स्पष्ट किया। ट्रंप ने लिखा, मुझे लगता है कि यूरोपीय संघ के समर्थन से यूक्रेन लड़ने और पूरे यूक्रेन को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने की स्थिति में है। समय, धैर्य और यूरोप तथा विशेष रूप से नाटो के वित्तीय समर्थन के साथ उन मूल सीमाओं वाली स्थिति में पहुंचने का विकल्प संभव है जिससे यह युद्ध शुरू हुआ था।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार किया

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने मंगलवार को अपने देश के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार कर दिया। खामेनेई की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के लिए न्यूयॉर्क गए हैं। यह टिप्पणी संभवतः पेजेशकियन की अमेरिकियों से संभावित संपर्क को अवरुद्ध कर सकती है। खामेनेई ने यह टिप्पणी ईरानी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक भाषण में की। यह टिप्पणी ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की यूरोपीय समकक्षों के साथ मुलाकात के बाद आई है, जो परमाणु प्रतिबंधों को फिर से लागू होने से रोकने की मांग कर रहे हैं। ये प्रतिबंध संभवतः रविवार को फिर से लागू होने वाले हैं।

संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। जेलेंस्की ने रूस के मिसाइल, ड्रोन और बम हमलों से अपने देश को बचाने के लिए अमेरिका की अतिरिक्त मदद मांगी। दोनों राष्ट्रपतियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर एक दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया। ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा, ''यूक्रेन जो लड़ाई लड़ रहा है, हम उसे बहुत सम्मान से देखते हैं।'' जेलेंस्की ने जवाब में कहा कि उन्हें युद्ध क्षेत्र से अच्छी खबर मिली है। उन्होंने कहा, ''हम इस बारे में बात करेंगे कि युद्ध को कैसे समाप्त किया जाए।'' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इस युद्ध को रुकवाने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया।

सीमा विवाद संबंधों को न करे परिभाषित! चीनी राजदूत बोले– भारत संग सहयोग की अपार संभावनाएँ

भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग (Xu Feihong) ने कहा कि उतार–चढ़ाव के बावजूद, चीन–भारत संबंध ष्मैत्रीपूर्ण सहयोग द्वारा परिभाषितष रहे हैं और उन्होंने संवाद, व्यापार और आदान–प्रदान को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। अमेरिकी प्रशासन की व्यापार और टैरिफ नीतियों के वैश्विक प्रभाव की पृष्ठभूमि में, चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने मंगलवार को कहा कि भारत और चीन को वैश्विक दक्षिण के हितों की रक्षा करते हुए संयुक्त रूप से आधिपत्य और टैरिफ और व्यापार युद्धों का विरोध करना चाहिए।

चीन और भारत को वर्चस्व, शक्ति–केंद्रित राजनीति

चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने कहा कि चीन और भारत को वर्चस्व, शक्ति–केंद्रित राजनीति और किसी भी प्रकार के शुल्क और व्यापार युद्धों का दृढ़ता से विरोध करना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय की जब ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना कर 50 प्रतिशत किए जाने के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान राजदूत ने भारत–चीन संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए चार सूत्रीय दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा, जिसमें आपसी सम्मान और विश्वास की भावना के साथ एक–दूसरे के साथ तालमेल बिठाने का 'सही तरीका' खोजने की बात शामिल है।

चीन और भारत सीमा विवाद

शू ने कहा कि दोनों देशों को सीमा विवाद से वर्तमान भारत–चीन संबंधों को परिभाषित नहीं होने देना चाहिए और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि इसमें 'अपार संभावनाएं' हैं। कार्यक्रम में चीन की स्थापना की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिए अपने भाषण में शू ने कहा कि भारत और चीन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे "वर्चस्व, शक्ति केंद्रित राजनीति और किसी भी प्रकार के शुल्क तथा व्यापार युद्धों" का मिलकर विरोध करें, वैश्विक दक्षिण के साझा हितों की रक्षा करें और मानवता के लिए साझा भविष्य वाले समुदाय का निर्माण करें। राजदूत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच चीन के तिआनजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के इतर हुई बातचीत को तीन सप्ताह से अधिक हो चुके हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

शहर खाली, फ़्लाइटें बंद, मचा हाहाकार! आ गया साल का सबसे बड़ा तूफान रागासा

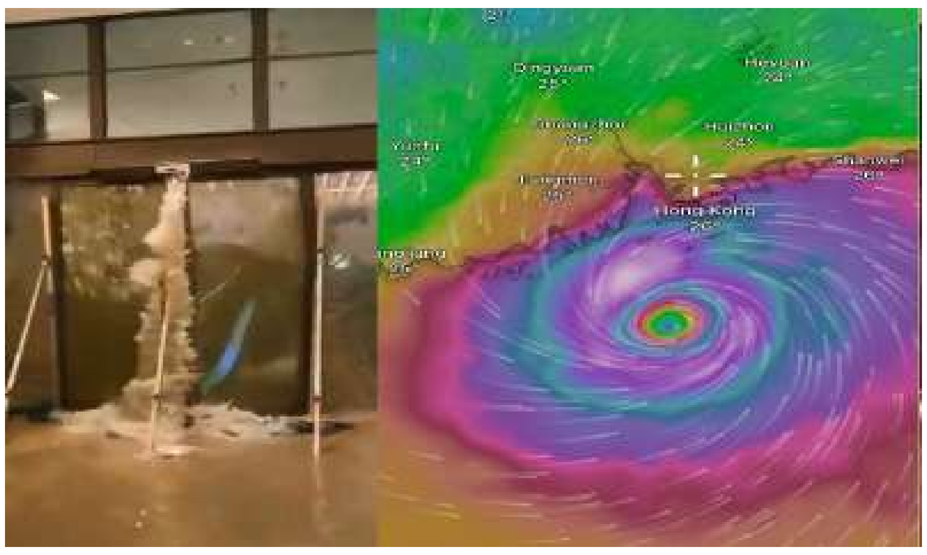

पिछले दो दिनों में सुपर टाइफून रागासा के कारण ताइवान और फिलीपींस में भारी तबाही मचने के बाद दक्षिणी चीनी प्रांत ग्वांगडोंग से लगभग 20 लाख लोगों को निकाला गया है। अब तक मरने वालों की संख्या 15 हो गई। समाचार एजेंसी एपी ने राष्ट्रीय मौसम एजेंसी के हवाले से बताया कि यह तूफान पिछले कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक है। ये दोपहर से शाम के बीच चीनी शहरों ताइशान और झानजियांग के बीच दस्तक देगा। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बुधवार को अग्निशमन विभाग के हवाले से बताया कि सुपर टाइफून रागासा के दौरान पहाड़ों में एक बैरियर झील के उफान पर आने से एक शहर में बाढ़ आ गई, जिससे ताइवान के पूर्वी काउंटी हुआलिएन में अब तक चौदह लोगों की मौत हो गई है, और 124 लोग लापता हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के विभिन्न क्षेत्रों ने हुआलिएन में बचाव दल भेजे हैं, और सेना ने मदद के लिए 340 सैनिक भेजे हैं। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, बुधवार तड़के तूफ़ान तेज़ हवाओं और भारी बारिश के साथ हांगकांग पहुँचा और दक्षिणी चीनी तट पर जनजीवन ठप हो गया। दक्षिणी चीन के 10 से ज़्यादा शहरों में स्कूल, कारखाने और परिवहन सेवाएँ बंद कर दी गईं। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, तेज़ हवाओं ने हांगकांग में एक पैदल यात्री पुल की छत के कुछ हिस्से उड़ा दिए और पेड़ गिरा दिए। लगभग 13 घायल लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मकाऊ में एक व्यक्ति घायल हुआ। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग ने तूफ़ान का उच्चतम चेतावनी संकेत 10 जारी किया है और व्यवसायों और परिवहन सेवाओं को बंद करने का आग्रह किया है। बीबीसी की एक अपडेट के अनुसार, टाइफून रागासा ने गुआंग्डोंग तट की ओर बढ़ते हुए उत्तर की ओर रुख कर लिया है, तथा यह पूर्व अनुमान से पहले और अधिक उत्तर में पहुंचने वाला है। स्थानीय समयानुसार शाम 5रू00 बजे (08रू00 ळडज) चीन के शेन्ज़ेन शहर में लॉकडाउन समाप्त हो गया। शेन्ज़ेन के आपदा निवारण प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, ष्तूफ़ान रागासा धीरे–धीरे कमज़ोर पड़ रहा है और हमारे शहर से दूर जा रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग वेधशाला ने बुधवार देर दोपहर कहा कि रागासा एक महातूफ़ान से कमज़ोर होकर एक गंभीर तूफ़ान में बदल गया है। मौसम विज्ञान सेवा ने कहा कि रागासा धीरे–धीरे हांगकांग से विदा हो रहा है, हालाँकि, क्षेत्र के कई स्थानों पर तूफ़ानी हवाओं के साथ ख़तरा बना हुआ है।

ज्नतामल ने यूएन में फिर छेड़ा कश्मीर राग! राष्ट्रपति एर्दोगन की पाकपरस्ती ने बढ़ाई भारत की चिंता

हाल ही में हुए भारत–पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में, तुर्किये ने संघर्ष से पहले और बाद में पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन देने में दृढ़ता दिखाई। तुर्की सरकार के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि तुर्की के मालवाहक विमानों ने पाकिस्तान को सैन्य सामग्री पहुँचाई, हालाँकि तुर्की के अधिकारियों ने इसका खंडन किया। यह लंबे समय में तुर्किये द्वारा दिया गया सबसे ज़ोरदार बयान है, जो उसके पूर्व घोषित एशिया न्यू इनिशिएटिव से स्पष्ट रूप से अलग है, क्योंकि तुर्किये अपनी दक्षिण एशिया नीति में व्यापार पर सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब एर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया और कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस साल संघर्ष के बाद हुए ''संघर्षविराम'' से उनका देश ''खुश'' है।

भारत–पाकिस्तान तनाव पर एर्दोआन ने क्या कहा?

एर्दोआन ने कहा कि आतंकवाद–रोधी प्रयासों में भारत और पाकिस्तान के बीच सहयोग देखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''कश्मीर मुद्दे का समाधान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के आधार पर और कश्मीर के हमारे भाइयों और बहनों के हित में संवाद के माध्यम से होना चाहिए। हम यही उम्मीद करते हैं।'' उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र को संबोधित करते हुये कहा, ''दक्षिण एशिया में हम शांति और स्थिरता को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हमें खुशी है कि बीते अप्रैल में पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव के बाद संघर्षविराम स्थापित हुआ। ऐसा तनाव जो संघर्ष का रूप ले चुका था।'' हाल के वर्षों में तुर्किये के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र में अपने संबोधन के दौरान बार–बार कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया है। भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गयी थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत के हमलों के बाद चार दिन तक दोनों देशों के बीच झड़पें हुईं और आखिरकार 10 मई को सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनी।

एर्दोगन का बयान क्यों महत्वपूर्ण है?

रेचेप तैयप एर्दोगन की टिप्पणी कश्मीर मुद्दे में तुर्की की निरंतर कूटनीतिक रुचि को उजागर करती है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच एक ऐतिहासिक विवाद का विषय रहा है। हालाँकि उनका भाषण संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित एक प्रस्ताव पर केंद्रित था, एर्दोगन पर पहले भी संघर्ष के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाया गया है, जिसमें पाकिस्तान की स्थिति का सार्वजनिक समर्थन, उसे ष्भाई राष्ट्रष् कहना और कथित तौर पर पाकिस्तान की सहायता के लिए बायरकटर टीबी2 और वाईआईएचए ड्रोन और सैन्य ऑपरेटिव की आपूर्ति करना शामिल है। रिपोर्टों से पता चलता है कि पाकिस्तान द्वारा संचालित अभियानों के दौरान दो तुर्की ऑपरेटिव मारे गए, जिससे हालिया भारत–पाकिस्तान संघर्ष में तुर्की की भागीदारी को लेकर विवाद और गहरा गया। इन आरोपों और तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के सार्वजनिक रुख ने भारत में तुर्की के सामान और पर्यटन के बहिष्कार आंदोलन को जन्म दिया। पहलगाम आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति के साथ समाप्त हुईं।

भारत तो अपना भाई है...जेलेंस्की ने उड़ाई ट्रंप के दावों की धज्जियां, यूरोप को भी दी नसीहत

जब किसी बड़े मंच से भारत पर आरोप लगते हैं तो पूरी दुनिया की नजर हमारे जवाब पर टिकी होती है। लेकिन इस बार जवाब भारत ने नहीं बल्कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दिया है। वो भी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को। ट्रंप ने दावा किया था कि भारत और चीन रूस से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध को फंड कर रहे हैं। लेकिन जेलेंस्की ने न सिर्फ इस आरोप को गलत बताया बल्कि भारत को हमारा साथी, हमारे पक्ष में और जरूरी साझेदार कहा है। ये बताता है कि वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका अब निर्णायक हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत पर लगातार हमलों के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भारत का बचाव किया है। इतना ही नहीं भारत को यूक्रेन के साथ बताया है। इसके साथ ही यूरोप को नई दिल्ली के साथ संबंधों को बेहतर करने की अपील भी की है। ट्रंप ने भारत पर यूक्रेन युद्ध में फंडिंग

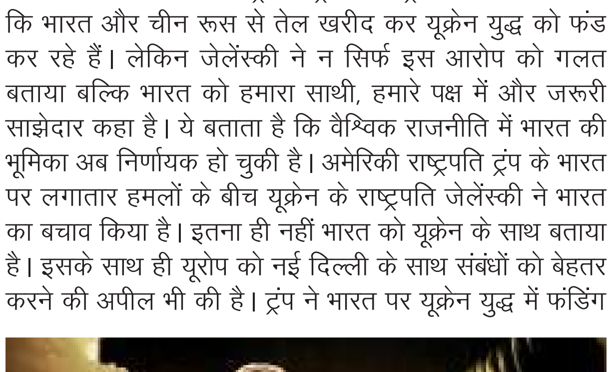

करने का आरोप लगाया था। लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भारत का बचाव करते हुए ट्रंप के दावों की पोल खोल कर रख दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की अपने अमेरिकी समकक्ष से इस बात पर असहमत नज़र आ रहे हैं कि यूक्रेन में रूस के युद्ध को कौन वित्तपोषित कर रहा है, और उनका कहना है कि भारत यूक्रेन के साथ है। फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में ज़ेलेंस्की ने स्पष्ट किया कि भारत यूक्रेन के पक्ष में है, हालाँकि उन्होंने ऊर्जा से जुड़ी कुछ समस्याओं का भी ज़िक्र किया। यूक्रेनी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत और चीन की आलोचना के बीच आई है, जिसमें उन्होंने इन देशों को यूक्रेन में चल रहे युद्ध का फंडर बताया। ज़ेलेंस्की ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत, ज़्यादातर, हमारे साथ है। हाँ, ऊर्जा को लेकर हमारे सामने कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप इसे संभाल सकते हैं। उन्होंने यह तो कहा कि रूस के साथ भारत के ऊर्जा समझौतों में कुछ समस्याएँ हैं, लेकिन उम्मीद जताई कि भारत रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति अपना रुख बदलेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी उस रिपोर्टर के बयान के जवाब में थी जिसमें भारत को युद्ध में योगदान देने वालों में से एक बताया गया था। उसी साक्षात्कार में ज़ेलेंस्की ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध के प्रति अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के रवैये को बदल सकते हैं। ज़ेलेंस्की ने फॉक्स न्यूज़ की स्पेशल रिपोर्ट में कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रम्प इस युद्ध के प्रति शी जिनपिंग के रवैये को बदल सकते हैं, क्योंकि चीन, हमें नहीं लगता कि चीन इस युद्ध को ख़त्म करना चाहता है।

भारत के लगातार इनकार के बावजूद ट्रंप के मंत्री मार्कों रुबियो का दावा

ट्रंप ने सुलझाया भारत-पाकिस्तान संघर्ष

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार (23 सितंबर, 2025) को कहा कि भारत अमेरिका का बहुत करीबी साझेदार है, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत रूसी तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली पर अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। मार्को रुबियो ने 23 सितंबर को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात भी की थी और दोनों देशों के संबंधों में मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किया था। लेकिन कुछ घंटों बाद एक बार फिर से अमेरिका ने अपना रंग दिखाया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने फिर से खोखले दावे को दोहराया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच ''बेहद खतरनाक'' संघर्ष को रोकने में ''काफी हद तक शामिल'' रहे थे। मंगलवार को यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक में रुबियो ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक वैश्विक शांति बहाल करना है। उन्होंने कहा, ''जब राष्ट्रपति ट्रंप ने पद संभाला तो उन्होंने दुनिया में जहां भी अवसर मिला वहां शांति बहाल करना अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया। और इसमें कई स्थानों पर बड़ी सफलता मिली है।'' रुबियो ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ था, जो बहुत खतरनाक था। राष्ट्रपति ने इसमें बीच–बचाव करने का फैसला किया और शत्रुता समाप्त करने में बहुत अहम भूमिका निभाई।'' रुबियो ने कहा कि ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया, कांगो और रवांडा तथा अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच संघर्षों को हल करने में भी ''महत्वपूर्ण भूमिका'' निभायी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध एक "असाधारण चुनौती" साबित हुआ है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, ''राष्ट्रपति ने इस पर लगातार काम किया है, इसमें अपना बहुत सारा समय, ऊर्जा लगायी और सरकार के सर्वोच्च स्तर तक भागीदारी की।'' उन्होंने कहा कि तुर्किये, सऊदी अरब और अलास्का में बैठकों के साथ ही फोन पर कई बार बातचीत कीं तथा इन सभी का उद्देश्य इस संघर्ष को समाप्त करना था। उन्होंने कहा, ''(यह) एक ऐसा युद्ध है जो सैन्य रूप से समाप्त नहीं हो सकता। यह वार्ता की मेज पर ही समाप्त होगा। यही इस युद्ध का अंत होगा। लेकिन जितना लंबा यह चलेगा, उतने अधिक लोग मरेंगे और उतनी ही अधिक तबाही होगी।'' इससे पहले, ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से अपना यह दावा दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया था। साथ ही उन्होंने संघर्षों को समाप्त करने में मदद करने का प्रयास तक नहीं करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की आलोचना की। ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय 80वें सत्र में अपने संबोधन के दौरान कहा, ''इसी तरह, केवल सात महीनों में, मैंने सात ऐसे युद्ध समाप्त करवाये हैं..।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जिन युद्धों को समाप्त करने में उन्होंने मदद की, वे दशकों से चल रहे थे। दस मई को, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ''पूर्ण और तत्काल'' संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ''घटाने'' में मदद की है। हालांकि, भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है।

कोलंबिया में ध्वस्त सोने की खदान में फंसे 20 खनिकों को निकालने के लिए बचाव कार्य जारी

उत्तरी कोलंबिया में सोने की एक खदान ध्वस्त होने के बाद 20 से अधिक खनिक अंदर फंस गए और बचावकर्मी उन्हें निकालने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कनाडा की अरिस माइनिंग कॉर्प एंटिओक्विया क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से चलने वाली ला रिलिक्विया खदान के साथ काम करती है।

अरिस माइनिंग कॉर्प

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।